वैशाख कृष्ण पक्ष-6, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 313 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 अप्रैल 2024 सोमवार

आज का मौसम
38 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

सबसे बड़ी सीट इंदौर में अब कांग्रेस मुक्त चुनाव, पटवारी को गृहनगर में करारी मात

इंदौर में नया सूरत, कांग्रेस उम्मीदवार ने नामांकन वापस लिया, भाजपा में शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में इंदौर लोकसभा सीट पर आज बडा सियासी ड्रामा सामने आया है। हाल में सूरत में कांग्रेस उम्मीदवार के नामांकन निरस्त होने और बाकी के वापस लेने की घटना के बाद अब इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम ने आज अपना नामांकन वापस ले लिया। बताया जाता है कि वे इंदौर विधायक रमेश मैंदोला के साथ नामांकन वापस लेने कलेक्टर कार्यालय आए थे। एक तस्वीर भी सामने आ रही है जिसमें कार में सवार बम के साथ अगली सीट पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पीछे अक्षय बम व रमेश मैंदोला बैठे नजर आ रहे हैं। खुद विजयवर्गीय ने इसकी जानकारी दी है। विजयवर्गीय ने अक्षय बम के साथ सेल्फी शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा- इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम का भाजपा में स्वागत है। इस घटनाक्रम के चलते अब 13 मई को इंदौर चुनाव में कांग्रेस का वाकओवर हो गया है। उसका कोई प्रत्याशी अब भाजपा के सामने नहीं है। अक्षय को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की पसंद का उम्मीदवार माना जा रहा था।

डमी का नामांकन निरस्त कांग्रेस बिफरी

कांग्रेस के डमी उम्मीद मोती सिंह का पहले ही नामांकन निरस्त हो चुका है, कांग्रेस को पहले ही अंदेशा था, इसलिए मोती सिंह का नामांकन डमी के रूप में जमा कराया था। लेकिन अक्षय बम के नामांकन स्वीकृत होने से मोती सिंह का नामांकन निरस्त हो गया। खबरें हैं कि एक पुराने मामले में चुनाव बाद उन पर कार्रवाई का दबाव भी था। वहीं बिफरी कांग्रेस के प्रवक्ता केके मिश्रा ने कहा ट्वीट किया -अक्षय बम, तुम तो 'फुस्सी बम' निकले, वक्त हमेशा बदलता है, जिस कारण बिके हो,वही कारण हमेशा क़ायम रहेगा और वही तुम्हें भविष्य में शिकंजे में भी लेगा।

उधर अमेठी में मप्र प्रयोग

भाजपा हाइकमान ने आज फिर मप्र में किये गये 'मोहन यादव प्रयोग' को उप् में आजमाइश के लिये भेजा है। आज लोकसभा चुनाव के लिये गहमागहमी के बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव उप्र के अमेठी में भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी के रोड शो और जनसभा में शामिल हैं। इससे पहले भी भाजपा यादव को उप्र व बिहार के दौरे सभाओं में भेज चुकी है। यादव ने मुलायम-अखिलेश यादव परिवार के गढ में भी बीते दिनों सभा की थीं।यादव आज सांसद स्मृति ईरानी के साथ भाजपा कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक रोड शो में शामिल हुए तथा जनसभा को भी संबोधित कर रहे हैं।

मोदी बयान पर अडिग, बोले- ये ध्रुवीकरण नहीं

देश में राजनीतिक सरगर्मियों के बीच सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्षी पार्टी कांग्रेस एक दूसरे पर लगातार निशाना साध रहे हैं। इस बीच बीजेपी पर ध्रुवीकरण के विपक्ष के आरोपों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक जवाब दिया है। मोदी ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देने के लिए कांग्रेस ने कानून लाकर संविधान का उल्लंघन किया है। क्या ये बताना ध्रुवीकरण नहीं है। एक इंटरव्यू के दौरान मोदी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेकर दिए गए अपने बयान पर कायम रहे कि मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। मोदी ने कहा कि वह यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने के बीजेपी की प्रतिबद्धता पर अडिग हैं। वे बोले हम ऐसा राष्ट्र नहीं बन सकते, जहां संविधान की मदद से एक समुदाय तरक्की करे जबकि अन्य समुदाय तुष्टिकरण की वजह से भंवर में ही फंसकर रह जाए।

मेनका बोलीं-जाति के नाम पर टिकट ठीक नहीं

भाजपा नेता व लोकसभा चुनाव लड़ रही मेनका गांधी ने जातीय-धार्मिक ध्रुवीकरण से ही चुनाव जीते जाने के सवाल पर कहा है कि नए लोगों को इसलिए टिकट दे देना कि वे जाति के नाम पर कुछ वोट बटोर लेंगे, ऐसा ठीक नहीं है। जनता चाहती है कि काम करने वालों के बीच मुकाबला हो। हम मुकाबला जातियों का बना देते हैं और इस दरार को बड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा यदि मेरे मुकाबले मुझसे ज्यादा काम करने वालों को टिकट दिया जाता तो मुझे खुशी होती। भाजपा के चार सौ पार के नारे पर मेनका ने कहा कि भाजपा बढ़ तो रही है क्योंकि विपक्ष के पास कोई रणनीति नहीं है वे दुनिया भर के मुद्दे बना सकते थे। लेकिन मैं ज्योतिषी नहीं हूं। उम्मीद तो सबको है।

अमेठी में कांग्रेस के उम्मीदवार पर जबर्दस्त सस्पेंस

उप्र की चर्चित अमेठी सीट पर आज मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी ने नामांकन दाखिल कर दिया। नामांकन की अंतिम तिथि तीन मई है। भाजपा की स्मृति इरानी ने दो पर्चे लिए और रोड शो के बाद नामांकन दाखिल किया। हालांकि कांग्रेस ने अभी पत्ते नहीं खोले हैं तथा राहुल या प्रियंका के अमेठी से लड़ने पर सस्पेंस है। खबरें हैं कि वरूण गांधी पर भी कांग्रेस की निगाहें हैं लेकिन मामला जम नहीं पा रहा है।

मस्क के पैंतरे पर सवाल, भारत के बजाए चीन पहुंचे

बीजिंग, एजेंसी।

दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक एलन मस्क चीन पहुंच गये हैं। जबकि वे पहले भारत आने वाले थे। लेकिन दौरा निरस्त करने के बाद वे अचानक चीन पहुंचे हैं। इस अघोषित यात्रा पर वे टेस्ला को लेकर नया प्लान बनाकर ले गए हैं। वे फुल सेल्फ ड्राइविंग सॉफ्टवेयर के रोलआउट और विदेश में डेटा ट्रांसफर को लेकर बातचीत करेंगे। उन्होंने बीजिंग में प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की है। इस मीटिंग के दौरान ली ने मस्क ने कहा कि चीन में टेल्सा के डेवलपमेंट को अमेरिका-चीन आर्थिक और व्यापार सहयोग का सफल उदाहरण माना जा सकता है। ज्ञात हो कि मस्क को 22 अप्रैल को भारत आना था।

पाकिस्तानी युवती को लगाया भारतीय दिल

चैन्नेई। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव तो दशकों से है लेकिन मानवता के नाम पर देश तमाम कड़वाहटों और दूरियों को पीछे छोड़ देता है. ताजा मिसाल पाकिस्तान की 19 साल की लड़की है जिसे भारत आने के बाद नई जिंदगी मिली। चेन्नई के एक अस्पताल में इस पाकिस्तानी युवती आयशा रशन की सफल हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जरी की गई है। कराची की आयशा की एमजीएम हेल्थकेयर में हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी हुई है। खबरों के मुताबिक एक उपयुक्त ब्रेन-डेड डोनर उपलब्ध होने के बाद उसका हर्ट ट्रांसप्लांट किया गया। इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष और कार्डिएक साइंसेज निदेशक डॉ के आर बालाकृष्णन ने कहा कि आयशा पहली बार 2019 में भी उनके पास आई थी जब वह 14 साल की थी उसका हार्ट बहुती ही गंभीर बीमारी से ग्रसित था और खराब स्थिति में था।

जंगल में आग लगाते सात गिरफ्तार

देहरादून , एजेंसी।

अलग-अलग वन क्षेत्र में आरक्षित वनों में आग लगाने वाले सात आरोपियों को वन विभाग की टीम ने रंगेहाथ दबोच लिया। इनमें से एर आरोपी नेपाली मूल का मजदूर है। लैंसडौन वन प्रभाग के कोटद्वार रेंज में पकड़े गए आरोप को जहां जेल भेज दिया गया है वहीं अन्य आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बताते हैं कि जंगल में आग लगाते हुए एक नेपाली मजदूर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। उसके तीन अन्य साथियों ने भी आरोपी के खिलाफ बयान दिए हैं। गौरतरब है कि उत्तराखंड में जंगल की आग तेजी से फैली है और जानवर भी जान बचाने के लिये यहां वहां भाग रहे है।

छह बार के भाजपा सांसद श्रीनिवास का निधन

बंगलूरू । कर्नाटक में भाजपा के सांसद वी. श्रीनिवास का देर रात एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। चामराजनगर सीट से सांसद श्रीनिवास बीते कुछ दिनों से बीमार थे। हालत बिगडने के बाद उन्हें बेंगलुरु में प्राइवेट अस्पताल में आईसीयू में रखा गया था। श्रीनिवास चामराजनगर से छह बार के सांसद रहे। वहीं वे मैसूरू जिले की नानजंगुड़ सीट से दो बार के विधायक भी रहे। इसी साल मार्च में उन्होंने राजनीति से संन्यास का एलान भी कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट में कहा कि श्रीनिवास प्रसाद सामाजिक न्याय के अगुआ थे।

पंचकोसी श्रद्धालुओं के लिए क्षिप्रा में पहुंचा नदी का पानी

उज्जैन, दोपहर मेट्रो।

आगामी 3 मई से प्रारंभ होने वाली पंचकोसी यात्रा में यात्रियों को त्रिवेणी घाट पर शिप्रा नदी के जल में स्नान कराने के लिए प्रशासन ने पाइपलाइन के जरिये नर्मदा का पानी शिप्रा में छोड़ना आखिरकार शुरू कर दिया है। एक दिन पहले तक सूखी पड़ी शिप्रा में अब कुछ पानी दिखाई देने लगा है। इधर, त्रिवेणी घाट पर टूटा मिट्टी का बांध अतिरिक्त मिट्टी पटककर फिर जोड़ दिया गया है। इससे कान्ह का प्रदूषित पानी शिप्रा में मिलना बंद हो गया है। नर्मदा का पानी पाइपलाइन के माध्यम से शिप्रा में छोड़ने को मध्यप्रदेश की सरकार ने 432 करोड़ रुपये की नर्मदा-शिप्रा लिंक परियोजना को धरातल पर उतारा था। ये योजना प्राकृतिक प्रवाह से नर्मदा का पानी उज्जैन में प्रवाहित शिप्रा नदी में पानी छोड़ने को बनी थी।

तीस अमेरिकी विवि में तेज हुआ विरोध, 900 छात्र गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका में इजरायल के खिलाफ और फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन लगातार तेज होते जा रहे हैं। अमेरिकी स्टूडेंट्स गाजा में नरसंहार के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। अमेरिका के लगभग 30 विश्वविद्यालयों में इजरायल के विरोध में प्रोटेस्ट हो रहे हैं। अब तक 900 से अधिक छात्रों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रदर्शनकारी छात्रों ने कैंपस परिसर में लगी जॉन हॉर्वर्ड की स्टैच्यू पर लगे अमेरिकी झंडे को हटाकर उसकी जगह फिलीस्तीन का झंडा लगा दिया। हॉर्वर्ड प्रवक्ता ने इस घटना को यूनिवर्सिटी पॉलिसी का उल्लंघन बताते हुए कहा कि इन प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, इंडियाना यूनिवर्सिटी, अरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी और वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी सहित अमेरिका के लगभग 900 छात्रों को अरेस्ट किया गया है।

मेट्रो एंकर पति और पत्नी के बीच तलाक के लिये अजब मामला, काउंसलर्स परेशान

गुटखे के साथ लगती है पत्नी को बुलेट की तलब!

आगरा , एजेंसी।

ऐतिहासिक शहर आगरा में पति पत्नी के बीच विवाद का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। पति अपनी पत्नी के गुटखा खाने की लत से नाराज है, नौबत तलाक तक पहुंच गई है। पति का कहना है कि उसकी पत्नी मुंह में गुटखा दबाकर बुलेट (बाइक) दौड़ाती है। गुटखा खाने से मना करने पर झगड़ा करती है। पति अब पत्नी के साथ रहने को तैयार नहीं है। पत्नी ने भी पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने मामले को परिवार परामर्श केंद्र में ट्रांसफर कर दिया है। खबरों के मुताबिक जगदीशपुरा की युवती की शादी थाना सदर क्षेत्र के रहने वाले युवक से हुई थी। शादी के बाद दोनों पति-पत्नी खुशी-खुशी रह रहे थे. पति को धीरे-धीरे पता चला की पत्नी गुटखा खाती है और उसे गुटखा खाने के बाद उसे बुलेट चलाने का शौक है। युवक जगदीशपुरा स्थित एक जूता फैक्ट्री में कारीगर है। 300 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से वह कार्य करता है।

पति ने लगाई अलग रहने की गुहार

युवक के माता-पिता पुराने मकान में रहते हैं. मगर युवती पुराने मकान में रहना नहीं चाहती। उसके पिता ने एक मकान बना कर युवक को रहने के लिए दे दिया था। जहां पत्नी अपने पति से रोज गुटखा और बुलेट के लिए खर्चा मांगती थी। वहीं, रोज-रोज पति पैसे दे कर परेशान हो गया था. ऐसे में गुटखा और बुलेट चलाने को लेकर दोनों में झगड़े होना शुरू हो गए।

इस शादी के दो साल बाद 2023 में आए दिन दोनों में झगड़े होने लगे. जिसपर पति अपनी पत्नी को छोड़कर अपने मां- बाप के पास पुराने घर में चला गया. पत्नी ने पति की शिकायत पुलिस से कर दी. मामला परिवार परामर्श केंद्र में पहुंच गया। परिवार परामर्श केंद्र में दोनों की काउंसलिंग की गई तो युवक ने बताया कि पत्नी रोज गुटखा और बुलेट के पेट्रोल के लिए खर्चा मांगती है. रोज-रोज इतने पैसे कहां से लाकर दूं. जबकि, पत्नी ने कहा कि वह शादी से पहले से ही गुटखा खाती है और बुलेट चलाती है। युवती ने यह भी कहा कि बुलेट मेरे पापा ने दी है। युवक ने कहा कि जबतक पत्नी गुटखा और बुलेट चलाना नहीं छोड़ेगी में उसे अपने साथ नहीं रखूंगा. युवक ने यह भी कहा कि वह उसे मायके में नहीं रखेगा. अपने पिता के मकान में इसके साथ रहने के लिए तैयार हूं। लड़की ने बताया कि 'वह पहले से ही गुटखा खाती थी। अब धीरे-धीरे कम कर दिया है' फिलहाल, दोनों को अलगी तारीख पर पुनः बुलाया गया है।

बास्केटबॉल की ट्रेनिंग

टीटी नगर स्टेडियम में समर कैंप के दौरान बास्केटबॉल की ट्रेनिंग लेते बच्चे। **फोटो अजय सोलंकी** साभार

रविंद्र भवन में शानदार मंचन, कलाप्रेमियों की भरमार

आगरा बाजार के लिए बिके टिकट पहली बार!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मशहूर रंगकर्मी हबीब तनवीर का कालजयी नाटक 'आगरा बाजार' के प्रति कलाप्रेमियों की दीवानगी अब तक कायम है। दरअसल नज्मों के बाबा आदम कहे जाने वाले 18 वीं सदी के भारतीय शायर नजीर अकबराबादी के जीवन और उनकी नज्मों पर आधारित इस नाटक की देखने की दिलचस्पी का आलम यह है कि इस बार नाटक देखने लगभग 250 दर्शकों ने 500 रुपये देकर टिकट खरीदा। नाटक का मंचन रवींद्र भवन में हुआ, जहां दर्शक क्षमता भी इतनी ही है। पहले शो चार बजे और दूसरा शो सात बजे हुआ। टिकट लेने के लिए दर्शकों ने नकद और आनलाइन पेमेंट किया। इस नाटक निर्देशन और लेखन हबीब तनवीर ने किया था। इसमें हम थिएटर ग्रुप के कलाकारों ने अभिनय किया। बता दें कि इससे पहले नाटक पापकार्न को देखने के लिए 200 रुपये का टिकट रखा गया था लेकिन दर्शकों ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। रंगकर्मी बालेंद्र सिंह बालू का कहना है कि नजीर साब ÷नजीर राह चलते नज्में कहा करते थे और छोटे पेशे वाले लोग तथा भिखारी अक्सर उनसे नज्मों की फरमाइश किया करते थे और वे उनकी बात कभी नहीं टालते। 'आगरा बाजार' नाटक का रचना काल 1954 है। इस नाटक का सर्वप्रथम मंचन 14 मार्च 1954 को 'जामिया मिलिया इस्लामिया' के कला विभाग के खुले मंच पर किया गया था। करीब ढाई घंटे का यह दो अंकीय नाटक आगरा के 'किनारी बाजार' के एक चौराहे पर ककड़ी वाले, तरबूज वाले और लड्डू वाले की नोकझोक के साथ आगे बढ़ता है, जहां ककड़ी वाला बिक्री नहीं होने से परेशान है। इस परेशानी में वो चाहता है कि उनकी ककड़ी पर कोई नज्म लिख दे, जिसे गाकर वे अपना समान बेच सकें। इस नाटक में करीब पैंतालीस कलाकारों ने अभिनय किया।

मध्य रेलवे के 50 स्टेशनों पर यह प्रयोग

15 स्टेशनों के 53 प्लेटफार्मों पर अब काम करने लगे कोच गाइडेंस सिस्टम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के भोपाल समेत मंडल के 15 रेलवे स्टेशनों के 53 स्टेशनों पर यात्रियों को कोच गाइडेंस सिस्टम की सुविधा मिल रही है। ये कोच गाइडेंस सिस्टम यात्रियों को ट्रेन के उस कोच तक ले जाने में मदद करते हैं जिनमें उनका रिजर्वेशन होता है। भोपाल एक मात्र ऐसा मंडल है, जिसके 15 स्टेशनों के 53 प्लेटफार्मों पर यात्रियों को यह सुविधा मिल रही है, बाकी के जबलपुर व कोटा मंडल के स्टेशनों पर यह सुविधा तो है लेकिन भोपाल मंडल की तुलना में कम है। इस तरह पश्चिम मध्य रेलवे के 50 स्टेशनों के 142 प्लेटफार्मों पर कोच गाइडेंस सिस्टम काम करने लगे हैं। रेल अधिकारियों का दावा है कि यात्रियों की सुविधाओं के लिए सभी छोटे स्टेशनों पर भी इस प्रणाली को लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भोपाल मंडल के इन स्टेशनों पर काम कर रहे कोच गाइडेंस सिस्टम

भोपाल रेल मंडल के भोपाल, रानी कमलापति, इटारसी, नर्मदापुरम, विदिशा, संत हिरदा रामनगर, बीना, हरदा, अशोक नगर, गुना, रुठियाई, शिवपुरी, गंजबासौदा, साँची एवं मंडीबामौरा स्टेशनों पर कोच गाइडेंस सिस्टम लगे।

- जबलपुर मण्डल के जबलपुर, मदन महल, करेली, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, कटनी, कटनी साऊथ, कटनी मुड़वारा, मैहर, सतना, रीवा, दमोह एवं सागर स्टेशनों पर कोच गाइडेंस सिस्टम लगे।
- कोटा मण्डल के कोटा, बारां, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, रामगंज मण्डी, शामगढ़, विक्रम आलोट, बयाना, भरतपुर, श्रीमहावीर जी, हिण्डौन सिटी, सोगरिया, बूंदी, लाखेरी, भवानीमंडी, डकनिया तलाव, छबड़ा गुगोर, इन्द्रगढ़ सुमेरगंज मंडी, सुवासरा, झालावाड़ सिटी एवं चौमहला स्टेशनों पर कोच गाइडेंस सिस्टम लगाए जा चुके है। ये काम भी कर रहे हैं।

यात्रियों को ये फायदे

- ट्रेन के आने के पूर्व ही निर्धारित कोच के सामने स्थान पर आकर सामान सहित चढ़ने के लिए तैयार हो जाते है।
- प्लेटफार्म पर गाडी के समय भीड़-भाड़ एवं इधर-उधर जाने में होनी वाली कठिनाई से बचा जा सकता है।
- कोच के सामने भीड़ को कम करने में काफी मददगार साबित हो रही है।
- विशेषकर रात्रि के समय डिजिटल प्रभावी कलर युक्त लाईट होने के कारण यह डिसप्ले बोर्ड यात्रियों को दूर से ही दिख जाते हैं जिससे कोच तक पहुँचने में अत्यधिक सुविधा होती है।

13 वर्षीय एचआईवी पीड़ित बालक स्कूल से वंचित

आयोग ने कलेक्टर-डीईओ को दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के बाणगंगा में रहने वाला एक 13 वर्षीय बालक की बेबसी का मामला सामने आया है। अपने माता-पिता से मिली लाइलाज बीमारी (एचआईवी) के कारण उसका स्कूल में एडमिशन नहीं हो रहा है। इस मामले में मानवाधिकार आयोग ने कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। पीड़ित बालक की देखभाल व सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य तथा अन्य शासकीय सहायता के सम्बन्ध में की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

इस पीड़ित बालक का कहना है मुझे मेरे माता-पिता से यह बीमारी मिली है, इसमे मेरा क्या कसूर ? स्कूल में एडमिशन नहीं मिलने के कारण बालक शिक्षा के अधिकार से वंचित हो रहा है। बालक द्वारा जिला

प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग में अपनी शिकायत दर्ज करने के बावजूद कोई मदद नही मिल रही है। पीड़ित बालक के पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे और मां में भी कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जुझ रही है। पीड़ित बालक की मां ने एक वीडियो के माध्यम से बेटे के लिये मदद की गुहार लगाई है।

बच्चे के लिए खतरा

शहर के छोटे तालाब स्थित कमलापति आर्च ब्रिज के पास रिटेनिंग वॉल नहीं होने का मामला सामने आया है। इससे आसपास के बच्चे खेलते-खेलते तालाब के पानी तक पहुंच रहे है। आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर जन-सुरक्षा के लिये आवश्यक उपाय कराये जाने के सम्बन्ध में की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन मांगा है।

वार्षिक योजना एक दिवसीय बैठक

भोपाल। गत दिवस मध्य भारत प्रांत समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) की वार्षिक योजना एक दिवसीय बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता रविंद्र कोपरगांवकर अध्यक्ष मध्य भारत प्रांत द्वारा की गई। बैठक में केबीएल श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सचिव, सुरेश श्रीवास्तव सचिव ग्वालियर प्रांत एव ए पी नायडू अध्यक्ष जिला भोपाल उपस्थित रहे।

एम्स में मिलेगी पीडियाट्रिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की सुविधा, जल्द होगा शुरू

बच्चों को सभी प्रकार का मिलेगा इलाज और विशेष टीम यहां करेगी काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित एम्स में जल्द ही पीडियाट्रिक सेंटर आफ एक्सीलेंस की सुविधा भी मिलेगी।एम्स के कार्डियक सर्जरी विभाग को एक विशेष पीडियाट्रिक कार्डियक सेंटर तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है। पीडियाट्रिक सेंटर आफ एक्सीलेंस में बच्चों को सभी प्रकार का इलाज मिल सकेगा और विशेष टीम यहां काम करेगी।

इसके लिए विशेषज्ञों ने विभाग के डाक्टरों को बच्चों में कार्डियक सर्जरी से जुड़ी विशेष जानकारी मुहैया कराई। जल्द ही हार्ट लंग मशीन का प्रयोग छोटे बच्चों में होगा। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चों में दिल के गंभीर रोगों से जु?ी सर्जरी एम्स में शुरू हो गई है। बच्चों में कार्डियक सर्जरी के मामले में दो ब?ी चुनौतियां आती हैं। एक बीमारी से जु?ी चुनौतियां होती है, दूसरी मैनपावर है। मुझे बच्चों की कार्डियक सर्जरी के प्रशिक्षण के लिए विदेश जाना पड़ता था। आज न केवल देश बल्कि मध्य प्रदेश और भोपाल में इलाज किया जा रहा है। यदि किसी बच्चे में दिल से जुड़ी कोई बीमारी सामने आती है। ऐसे में परिजनों को अब डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। नई तकनीक और सुविधाओं में विस्तार से बहुत हद तक इलाज संभव हो गया है।

ओपीडी में 5000 मरीजों की बढ़ोतरी

बीते दो वर्षों में हृदय रोगों की ओपीडी में 5000 मरीजों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जहां 2021 में 23 सौ के करीब मरीज ओपीडी में पहुंचे थे, वहीं 2023 में यह आंकड़ा सात हजार के पार दर्ज किया गया। इसी प्रकार हृदय से संबंधित सर्जरी की संख्या भी दो वर्ष साल में दोगुनी से ज्यादा बड़ी है। जहां साल 2021 में 161 कार्डियक सर्जरी हुई थी, वहीं यह आंकड़ा वर्ष 2023 में 400 से पार दर्ज किया गया।

मेट्रो एंकर | मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में 'एण्डलेस ईकोस' का आयोजन

विचारों के प्रति सतर्क रहें, विचार ही व्यवहार में दिखते हैं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में 'एण्डलेस ईकोस' का आयोजन किया गया। 12वीं के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। संस्था के प्रमुख सिद्धभाऊजी ने कहा कि विद्यालय जीवन में रखी गई - लगन, सकारात्मक विचार शक्ति, संस्कारों के प्रति आस्था रखना आपके आने वाले जीवन को सम्माननीय बनाएगा।

आपने कहा कि हमें अपने विचारों के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि यही हमारे व्यवहार में परिलक्षित होते हैं। यदि आपको निखरना है तो मोबाइल, सोशल मीडिया के अधिकतम प्रयोग से बचें। अहंकार की भावना को दरकिनार रखते हुए सभी के साथ विनम्रता का व्यवहार रखें। अपने माता-पिता एवं गुरूओं की आज्ञा में रहें, उनके लिए सदा कृतज्ञ रहते हुए उनकी अपेक्षाओं पर खरे उतरने का सच्चा प्रयास करें।

संस्था उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी ने कहा कि विद्यालय से विद्यार्थियों की यह विदाई नवजीवन, नव निर्माण व नव परिवर्तन का नाम है। उन्होंने कहा कि संस्कार रहित जीवन अर्थहीन होता है। अतः संस्कार व विनम्रता के साथ अच्छा इंसान बनें यही छात्र जीवन का प्रथम दायित्व है। संस्था

के अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी ने कहा कि विदाई समारोह वास्तव में विदाई नहीं है क्योंकि छात्र विद्यालय से भौतिक रूप से अवश्य दूर जाता है परंतु छात्र के जीवन से विद्यालय कभी नहीं जाता है। विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने कहा कि विदाई सुख-दुख के मनोभावों का मिश्रित अनुभव है। विदाई जीवन का एक गतिशील चक्र है। स्कूल केप्टन अमर सोनी, आदित्य जैन व शाश्वत जैन ने अपने विद्यालय जीवन के अनुभवों को बाँटते हुए समस्त विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। 11वीं के विद्यार्थी गौरव रूपानी, कुनाल रामनानी, अंशुल सतलानी, समीर सिद्दिकी, नमन कल्याणे द्वारा अपने सीनियर्स को आत्मीय शुभकामनाएँ दीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में एकल व सामूहिक गायन, नृत्य, मनोरंजक खेल तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा भी सामूहिक गीतों की प्रस्तुति दी गई। स्कूल केप्टन अमर सोनी द्वारा विद्यालय के प्राचार्य महोदय को विद्यालय ध्वज हस्तांतरित किया गया। विद्यालय द्वारा मिस्टर एमजीपीएस अमर सोनी, मिस्टर इंटेलिजेंट अनमोल शर्मा, मिस्टर स्टूडियस पकंज नरसिंघानी, मिस्टर सिंसियर करन पारदासानी, मिस्टर डीसेंट शाश्वत जैन, मिस्टर स्पोर्टस मैन मुकुंद वलेचा, मि. रिस्पॉसिंबल वंश मूलानी, मिस्टर साइंटिस्ट वैभव अमुलानी, मिस्टर इंटरप्रीन्योर विकास शामनानी, मिस्टर इंटरटेनर आर्यन सिंह, मिस्टर आर्टिस्ट भगत टेवानी, मि. पोलाइट आयुष मालवीय, मिस्टर अर्लिबर्ड कृष्नम अग्रवाल, विकास शामनानी, मिस्टर रेगुलर सुमित चांदवानी, निखिल केसवानी, मिस्टर म्यूजिशियन आदित्य खन्ना, मिस्टर एलोकेंट आदित्य जैन, मिस्टर कूल सारांश गुप्ता, मिस्टर फोटोग्राफर सिद्धांत चौहान, मिस्टर टेक्नो सेवी दिव्यांश विधानी, मिस्टर मैथेमेटिशियन समीर सतानी, मि. डेलिजेंट मयंक मेहरचंदानी, मिस्टर कर्टियस संकल्प जैन, मिस्टर स्मार्ट ईशान नेमा, मिस्टर ईव आयुष्मान सिंह को विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया तथा समस्त छात्रों को आशीर्वाद स्वरूप विद्यालय ट्रॉफी भेंट की गई।

इस अवसर पर संस्था , सचिव घनश्याम बूलचंदानी, कोषाध्यक्ष भगवान दामानी, सदस्य मनोहर वासवानी, कन्हैयालाल मोटवानी, हीरो केसवानी, थावर वरलानी, भगवान बाबानी, उपप्राचार्या आशा चंगलानी, केसीपीएस प्राचार्या सुमन विश्वकर्मा, वीपीएस प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी, कोर्डिनेटर्स, शिक्षक- शिक्षिकाएं एवं छात्रगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन अंजु गोगिया, शशि नाथ व छात्र शाश्वत जैन, कृष्णा सीतलानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

छठी पर हनुमानजी को 21 पान के बीड़ा का भोग लगा

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति ने रविवार को मां गायत्री मंदिर संतनगर में हनुमान महाराज के छठी महोत्सव पर धार्मिक आयोजन किए। पान के बीडे का भोग लगाया गया और हनुमान अष्टक का पाठ किया गया। हनुमानजी की आरती कर कृपादृष्टि बनाए रखने की कामना की। समिति के अर्चक पुरोहित राज कुमार गर्ग ने कहा कि हनुमानजी अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता है जो कि हनुमानजी की छठी पर पान के बीड़े का भोग लगाने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। समिति के अध्यक्ष देवानी ने कहा कि पान का बीड़ा चढ़ाने से हनुमानजी भक्त की सारी पीढ़ा खुद उठाते हैं। भोग लगाने वालों में राज बिजोरिया, राजेश केवलानी, जगदीश सांवले, राजकुमार धानुक, बिहारीलाल, एडवोकेट बृजकिशोर सेन, खेमचंद निहचलानी, राजकुमार देवानी की है।

गीतासार भेंट कीं: बजरंग सेना समिति ने जल सेवा कर रहे सेवादारियों को संत हिरदाराम रेलवे स्टेशन पर गीता सार भेंट कीं। इस अवसर पर रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष परसराम आसनानी, बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी, महासचिव राजेश केवलानी, सचिव राजकुमार धानुक, खेमचंद निहचलानी उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के 7 मई के चरण का रंग गाढ़ा हुआ

भोपाल की जनता के मन में क्या, टटोल रहे कांग्रेस-भाजपा, 370 के लिए जारी अलख

सभी क्षेत्रों में मतदाता का बदला-बदला मूड कर रहा पार्टियों को परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। इस बार मतदान के प्रति मतदाता का अनमनापन भोपाल सीट को लेकर भी दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों को परेशान किये हुए हैं। कल भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दो कार्यक्रम करके भाजपा के अभियान में रंग भरने की कोशिश की। उन्होंने बुजुर्गों के घर पहुंचकर आयुष्मान योजना के फार्म भरवाए और शाम को भोपाल के कोलार विस क्षेत्र में बडा रोड शो भी किया।

उधर, कांग्रेस की कई इलाकों में संगठनात्मक बैठक भी चल रही है और घर घर प्रचार का दौर है, हालांकि अभी तक भोपाल में कांग्रेस की कोई बड़ी सभा या रोड शो नहीं हुआ है लेकिन कांग्रेस जातिगत समीकरणों से उत्साहित है। भोपाल लोकसभा भाजपा का गढ़ है, जिसमें बैरसिया, गोविंदपुरा, हुजुर, नरेला जैसी विधानसभा क्षेत्र है जिन्हें जीतना कांग्रेस के लिए हमेशा दूर की कौड़ी रहा है। कांग्रेस के पास जो बढ़त और जीत की आशा रहती आई है वह उत्तर विधानसभा, मध्य और दक्षिण पश्चिम सीट से है। जबकि सीहोर विधानसभा में भाजपा बढ़त में बनी रही है। उधर भाजपा हर हाल में बूथ पर 370 वोटों बढ़ाने के लिये कोशिश में है। इसके लिये कई संगठन नेता हर क्षेत्र में घूमकर बैठकें कर हे हैं। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने बागली में चुनाव संचालन समिति की बैठक में कहा कि 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' ध्येय लेकर हर बूथ पर पिछले मतदान की तुलना में पार्टी के लिए 370 मत बढ़ाने का कार्य करें।

मथुरा को मुस्कान देने वाला चुनाव: यादव

वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैतूल से भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके के समर्थन में घोड़ाडोंगरी के मलाजपुर, देवास-शाजापुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थन में पोलायकला एवं राजगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में सुसनेर में जनसभाओं में कहा कि इस बार का चुनाव देश में सुशासन, उन्नति, प्रगति लाने के साथ ही देश से अत्याचार, आतंकवाद, नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने का चुनाव है। यह चुनाव मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण को मुस्कान देने का चुनाव है। कांग्रेस पार्टी ने तो भगवान श्रीराम के आमंत्रण को भी ठुकरा दिया था और अब देश की जनता कांग्रेस को ही ठुकरा देगी मुख्यमंत्री पोलायकला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्रद्धेय स्व. शालिगराम तोमर के निवास पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की ओर भोजन किया।

राजधानी का बदला बदला मूड

रोशन नेमा। भोपाल की जनता चुनावी कार्यक्रमों रैली, प्रचार और राजनीतिक चर्चा में इस बार ज्यादा रुचि नहीं ले रही है। महंगाई, रोजगार जैसे मुद्दों पर खामोश हो जाती है। कोरोना आपदा, कर्ज जैसे मुद्दों पर चर्चा नही करना चाहती है। फ्री राशन, लाड़ली बहना आमदनी के विषय मन में है। राम मंदिर, धारा 370, राष्ट्रीय सुरक्षा, महिला सुरक्षा विषय पर जनता बोल पड़ती है। हालांकि लोग कहते हैं कि जब भाजपा से लोकसभा चुनाव में आलोक शर्मा महापौर थे तब वह अन्य विधायको के क्षेत्रों के बजाए केवल गोविंदपुरा और मध्य क्षेत्र के कार्यों में ज्यादा ध्यान देते थे। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव का शहरी क्षेत्र में सक्रिय नहीं रहना भी उनके लिये मुश्किल हो रहा है।

बीते दिनों राजधानी में पीएम मोदी की रैली में भी कार्यकर्ताओं का समूह ही भीड़ में ज्यादा दिखा। जनता तो संचार माध्यम से ही रैली में शामिल रही, वही कांग्रेस के प्रचार कार्यक्रमों में तो चिरपरिचित कार्यकर्ताओं का भी अभाव है। कांग्रेस में बूथ और सेक्टर पर तैनात सिपाही विधानसभा चुनाव की तरह अब भी साधन व सामग्री में हिस्सेदारी में उलझे हुए है। कांग्रेस प्रत्याशी सामाजिक समीकरण और कांग्रेस के स्थाई वोटरों के शत प्रतिशत मतदान के आधार पर इस बार बदलाव का दावा कर रहे है वही भाजपा मोदी सरकार की गारंटी पर ऐतिहासिक जीत का दावा कर रही है।

दबाव में प्रत्याशी

अब तक हुए दो चरणों में हुए कम मतदान से प्रत्याशी डरे हुए। जानकार बताते है कम मतदान होने के मायने केवल परंपरागत वोटर का मतदान में रुचि होना, नए वोटरों में उदासीनता और आम जनता का प्रत्याशियों से ज्यादा उम्मीद न रखने वाला होता है। ऐसी परिस्थितियों में चुनाव रोचक हो गया है।

ग्वालियर में शिवराज का शो

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 2 लोकसभा क्षोत्रों में जनसभाओं को संबोधित किया। साथ ही ग्वालियर में रोड-शो किया। पूर्व सीएम ने ग्वालियर से भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह और मुरैना से भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में जनसभाओं में कहा कि हम राजनीति में इसलिए हैं कि, देश और जनता की सेवा कर सकें। मैं विधायक था तो विधायक के रूप में जनता की सेवा की। फिर सांसद बना तो सांसद के रूप में सेवा की और मुख्यमंत्री बना तो मुख्यंमत्री के तौर पर जनता की जिंदगी बेहतर बनाने का काम किया।

'टोली' के मुखिया भिंड में

भाजपा न्यू जॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को भिंड लोकसभा क्षेत्र के दतिया में पार्टी प्रत्याशी संध्या राय के समर्थन में ग्राम राजापुर, ग्राम चरूला सहित कई जगहों पर जनसभाओं को संबोधित किया व कहा कि अब समय आ गया है कि विभाजनकारी और सनातन विरोधी कांग्रेस को जनता अंतिम विदाई देकर राजनीति के मैदान से रवाना कर दे। कांग्रेस ने पहले धर्म के आधार पर देश का बंटवारा किया,कश्मीर को बांटा गया और फिर चीन के साथ जमीन का बंटवारा भी कर दिया।

पटवारी की पीड़िता के परिवारजनों से मुलाकात

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, रतलाम प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया एवं विधायक विक्रांत भूरिया ने जोबट में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता 11 वर्षीय आदिवासी बच्ची के परिवारजनों से मुलाकात की एवं ढांढस बंधाया। पटवारी ने कहा कि हम सब इस परिवार के लिए न्याय की लड़ाई लड़ेंगे।

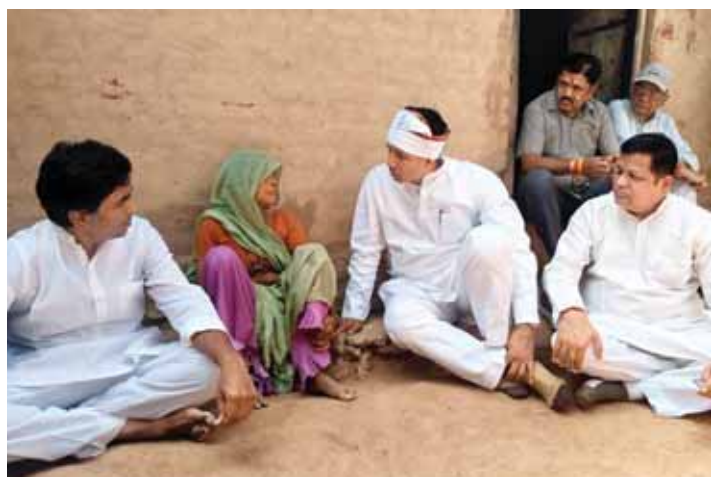

एनपीएस खातों का अब जिला कोषालय में ही होगा सुधार, आदेश हुए जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एनपीएस धारक कर्मचारियों के खातों में जन्मदिन नियुक्ति दिनांक सेवा निवृत्ति दिनांक एवं नाम परिवर्तन की समस्या का निराकरण अब पेंशन संचानालय भोपाल के स्थान पर जिला कोषालय से ही किया जाएगा यह व्यवस्था परिवर्तन संचालनालय पेंशन भविष्य एवं बीमा भोपाल ने किया है। अभी तक एनपीएस खातों में सुधार के लिए पहले कर्मचारियों को जिले से भोपाल आना पड़ता था तथा पेंशन संचालनालय में आवेदन पत्र लगाकर निराकरण की गुहार लगानी पड़ती थी। कर्मचारी लंबे समय से पेंशन संचालक से मांग कर रहे थे कि एनपीएस खातो में सुधार जिला कोषालय स्तर से किया जाए जिससे

कर्मचारियों को परेशानियो का सामना न करना पड़े। अब संचालनालय पेंशन भविष्य एवं बीमा कार्यालय भोपाल ने जिला कोषालयो को जिम्मेदारी देकर एनपीएस धारक कर्मचारियों को सुविधा प्रदान की है। इधर मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे इस सुविधा के लियेआभार जताया है।

तत्कालीन रजिस्ट्रार राजपूत ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत याचिका, सुनवाई आज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरजीपीवी घोटाले मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार आरएस राजपूत करीब दो माह से फरार है। हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब राजपूत ने सुप्रीम कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका प्रस्तुत की है। सोमवार को इस पर सुनवाई होगी। बता दें कि मामले में पुलिस को तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत, दलित संघ सोहागपुर के सचिव रतन उमरे और कोषाध्यक्ष अशोक चौरसिया की तलाश है। राकेश पिछले 55 दिन से फरार हैं। वहीं एसआईटी तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार, कुमार मयंक, ऋषिकेश वर्मा, सीमा वर्मा, एक्सिस बैंक के मैनेजर रामकुमार रघुवंशी और दलित संघ के सदस्य सुनील रघुवंशी को जेल भेज चुकी है।

पुनर्गणना के लिए ऑनलाइन भरे जा रहे आवेदन

उत्तर पुस्तिका में देरी तो मूल्यांकनकर्ता पर जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब पुनर्गणना के मामले में गलती होने पर मूल्यांकनकर्ता पर बीस रुपए प्रति अंक जुर्माना लगाया जाएगा। उत्तरपुस्तिका भेजने में देरी होने पर मूल्यांकन अधिकारी पर जुर्माना होगा। बीते साल के मामलों में डेढ़ लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। 10वीं और 12वीं परीक्षा परिणाम के बाद कई विद्यार्थी ऐसे हैं जो कॉपियों की जांच से संतुष्ट नहीं हैं। वे पुनर्गणना के साथ ही उत्तरपुस्तिका की छायाप्रति ले सकते हैं। अगर इसमें देरी हुई तो मूल्यांकन अधिकारी पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। दोनों परीक्षाओं में करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। माशिमं के अधिकारियों के मुताबिक परीक्षा परिणाम जारी होने के पंद्रह दिन के अंदर एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन किए जा सकते हैं। पंद्रह दिन के अंदर आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की रीटोटलिंग व कॉपियां देने की सुविधा मिलेगी। जिन विद्यार्थियों को कॉपियों की छायाप्रति चाहिए उन्हें रीटोटलिंग करवाना अनिवार्य होगा। इसके लिए 200 रुपए शुल्क तय हुआ है। उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति का शुल्क 250 रुपए है। जिन विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री आई है वे पूरक परीक्षा के लिए 1 मई से 20 मई के बीच आवेदन कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर 30 अप्रैल आवेदन की अंतिम तारीख, भोपाल से सबसे अधिक आवेदनकर्ता

आरजीपीवी: नए कुलपति की नियुक्ति के लिए कवायद तेज, पहुंचे दो दर्जन आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में वित्तीय घोटाले के बाद फिलहाल कुलपति की कुर्सी प्रभारी संभाल रहे हैं। नए कुलपति की नियुक्ति के लिए कवायद तेज हो गई है। 30 अप्रैल आवेदन की अंतिम तारीख है। आवेदन की डाउनलोड की गई प्रति को प्रत्येक पृष्ठ पर स्वहस्ताक्षरित कर प्रमाण-पत्रों के साथ राजभवन भेजना होगा। अब तक करीब दो दर्जन आवेदन कुलपति के पद के लिए पहुंचे हैं। इसमें सबसे अधिक आवेदन भोपाल के ही है, जिनकी संख्या करीब एक दर्जन बताई जा रही है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व कुलपति सुनील कुमार के सस्पेंड होने के बाद कुलपति का प्रभार यूआईटी की प्रोफेसर रूपम गुप्त को सौंपा गया है।

यह चाहिए कुलपति के लिए योग्यता

कुलपति बनने के लिए प्रोफेसर के रूप में 10 साल का शैक्षणिक अनुभव होना जरूरी है। अभ्यर्थी को अपने बेदाग करियर व असंदिग्ध निष्ठा का स्वयं सत्यापित प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। उसके विरुद्ध लोकायुक्त, आर्थिक अपराध ब्यूरो या अन्य किसी संस्थान में कोई जांच, विभागीय जांच अथवा आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए।

4 साल का होगा कार्यकाल

दरअसल, राजभवन आरजीपीवी में कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी हो गया । कुलपति का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की दिनांक से 4 वर्ष होगा। कुलपति को विश्वविद्यालय के परिनियम 4 के प्रावधान अनुसार ही वेतन प्राप्त होगा। एआईसीटीई ने तकनीकी विश्वविद्यालय में कुलपति बनने के लिए गाइडलाइन निर्धारित की है। इसमें सिर्फ इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के प्रोफेसर ही कुलपति बन सकते हैं। एआईसीटीई ने मैथमेटिक्स, केमिस्ट्री, फिजिक्स के प्रोफेसर को तकनीकी विवि के लिए योग्य नहीं माना है।

यह जो मां की मोहब्बत होती हैं ना,
यह सब मोहब्बतों की 'मां' होती हैं।

संपादकीय

ईवीएम से ज्यादा जरूरी मतदाता का विश्वास

सियासी हार जीत पर बीते दो दशकों से बदनाम हो रही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम को लेकर हाल में सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस बार लोकसभा चुनाव के बीच में आया है और ईवीएम को क्लीनचिट मिल गई है। अदालत ने ईवीएम संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज करके साफ कर दिया है कि इस चुनाव में या शायद आगे भी बैलेट पेपर से मतदान की संभावना नहीं है। दरअसल, ईवीएम को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी कि उसे बाहर से नियंत्रित किया और मतों में गड़बड़ी की जा सकती है। अदालत के सामने इस पर रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी। इसके पक्ष में कई ऐसे प्रमाण भी दिए गए थे कि कहां-कहां कुल पड़े मतों और मशीनों में पड़े मतों की संख्या में अंतर पाया गया। विपक्षी दल इसे लेकर काफी आक्रामक थे और लगातार आशंका जाहिर कर रहे थे कि सत्तापक्ष मशीनों के जरिए मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसमें कई स्वयंसेवी संगठन और विशेषज्ञ भी शामिल थे, जिनका दावा था कि ईवीएम को बाहर से संचालित किया जा सकता है। हाल में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद ईवीएम सभी हारे हुए दलो के निशाने पर रही है। खासकर मप्र में हार के बाद कांग्रेस के तमाम सीनियर नेताओं ने भी मोर्चा खोल रखा था। हालांकि भारत निर्वाचन आयोग लगातार तर्क दे रहा था कि ईवीएम सौ फीसद सुरक्षित हैं और उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। इस मामले ने इतना तूल पकड़ लिया था कि आम मतदाता के भीतर भी यह भ्रम पैदा हो गया कि ईवीएम में गड़बड़ी करके कोई पार्टी अपने पक्ष में मतों की संख्या बड़ा सकती है। ईवीएम पर संदेह जाहिर करते हुए अदालत में गुहार लगाने वालों की मांग थी कि मतदान के बाद वीवीपैट यानि जो पर्ची कट कर बक्से में गिरती है उसे मतदाता के हाथ में दिया जाए और वह उसे खुद अलग बक्से में डाले। फिर मशीन के साथ ही उन पर्चियों का मिलान कर अंतिम रूप से मतों की गणना की जाए। न्यायालय ने मांग को खारिज कर दिया। दरअसल, इस तरह मतदान की गोपनीयता उल्लंघन का खतरा था। मगर अदालत के इंकार के बावजूद भी एक अहम बात हुई है कि निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया गया है कि वह मशीनों में चुनाव चिह्न निर्धारित हो जाने के बाद उन्हें सीलबंद कर दे। यानि इससे एक और रास्ता खुला है, यदि कोई प्रत्याशी किन्हीं मशीनों के बारे में शिकायत दर्ज कराता है, तो विशेषज्ञों से उनकी जांच कराई जाए। हालांकि उस जांच का सारा खर्च संबंधित प्रत्याशी को उठाना पड़ेगा। इससे गड़बड़ियों की शंका की जांच हो सकेगी। हालांकि यह पहला मौका नहीं था, जब ईवीएम पर संदेह जताते हुए अदालत में गुहार लगाई गई थी। हालांकि निर्वाचन आयोग ने बार-बार मशीन की निर्दोषिता सिद्ध करने की कोशिश की थी, पर उस पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा था। खास बात यह है कि कभी भाजपा और अब कांग्रेस यानि सभी दल इसे लेकर अविश्वास जताते रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस पर संदेह की कोई गुंजाईश नहीं रह गई है। हालांकि निर्वाचन आयोग को भी इसे हार-जीत की तरह नहीं लेना चाहिए, उसे ईवीएम को विश्वसनीय बनाए रखने के जो भी उपाय हो सकते हैं, उन्हें अपनाने से कभी गुरेज नहीं करना चाहिये। जहां कि सियासी दलों की बात है तो उन्हें मशीन पर छोड़कर अपने मतदाताओं पर अधिक भरोसा करने की जरूरत है। यदि यह भरोसा वे जीत लेते हैं तो फिर उन्हें किसी और से शिकवा शायद नहीं रहेगा।

चुनावी राजनीति पर विदेशी ताकतों और खुफिया तंत्र का असर

■ आलोक मेहता

भारत के चुनावों पर दुनिया के मित्र अथवा प्रतियोगी या दुश्मन देशों की नजर और खुफिया तंत्र की भूमिका हमेशा रही है। सत्तर अस्सी के दशक में कम्युनिस्ट विचारधारा के मुकाबले के लिए उदार

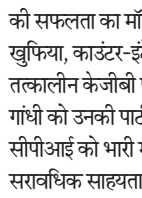

अर्थव्यवस्था वाली शक्तियां सक्रिय रही हैं । फिर पाकिस्तानी और कुछ इस्लामिक देशों ने अपने स्वार्थों के लिए कुछ दलों संगठनों का उपयोग शुरु किया । भारत की आर्थिक और राजनयिक क्षमता बढ़ने पर चीन ने अमेरिकी गुप्तचर एजेंसी सी आई ए और रुसी एजेंसी के जी बी की तरह अपना जाल बिछाने के प्रयास किए हैं । यही कारण है कि नेहरु इंदिरा राजीव युग से मोदी युग के सत्ता काल में चुनावी राजनीति पर प्रभाव डालने वाले संदिग्ध संगठनों और उनकी गतिविधियों , विदेशी फंडिंग पर नजर एवं कार्रवाई की बात उठ रही है । वर्तमान लोक सभा चुनाव और सत्तारूढ़ भाजपा के विरुद्ध कुछ संगठनों , विदेशी फंडिंग और हिंसक गतिविधियों की चर्चा हो रही है । मजेदार बात यह है कि अपने राज के दौरान इसी तरह की विदेशी ताकतों और गतिविधियों की आवाज उठाने वाले कांग्रेस या अन्य दलों के नेता अब मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा इन खतरों की बातों को गलत बताते हैं । तब सवाल उठता है कि क्या विदेशी ताकतें और जासूसी एजेंसियां अपने स्वार्थों के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों या उनसे जुड़े संगठनों को समय समय पर समर्थन कर रही हैं । चाहे हथियारों के सौदे हों या खनिज सम्पदा वाले राज्यों में माओवादी नक्सल गतिविधियां अथवा किसान आंदोलन के नाम पर भारत विरोधी खालिस्तानी तत्वों की घुसपैठ या भारतोय औधोगिक बिजनेस समूहों के अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव तथा केंद्र में मजबूत बहुमत वाली सरकार पर विदेशी गिद्ध निगाह लगी रहती है । कमजोर गठबंधन अस्थाई सरकारें विदेशी शक्तियों को अनुकूल लगती हैं , क्योंकि उनके निर्णयों को विभिन्न हथकंडों से प्रभावित किया जा सकता है । इस सन्दर्भ में वर्तमान देशी विदेशी संगठनों पर भारतीय गुप्तचर और सुरक्षा एजेंसियों की नजर अवश्य होगी । लेकिन इस मुद्दे पर जन सामान्य और युवा पीढ़ी के लिए हम जैसे पुराने पत्रकार पिछले रिकार्ड्स पर ध्यान दिला सकते हैं । सत्तर अस्सी के दशक में सोवियत रुस की गुप्तचर एजेंसी के जी बी और अमेरिकी जासूसी एजेंसी सी आई ए द्वारा भारत के राजनैतिक दलों पर प्रभाव और फंडिंग की जानकारियां इन देशों के एजेंटों और राजनयिकों ने पुस्तकों के माध्यम से स्वयं उजागर भी की । जैसे केजीबी के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और उसके सह-लेखक की एक पुरानी किताब में बताया गया कि रूसी एजेंसी ने भारत को तीसरी दुनिया की सरकार के केजीबी की सफलता का मॉडल घोषित किया । उनका कहना था कि भारत सरकार में खुफिया, काउंटर-इंटेलिजेंस, रक्षा और विदेश मंत्रालयों, पुलिस में कई स्रोत हैं तत्कालीन केजीबी प्रमुख यूरी एंड्रोपोव के अनुसार तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी को उनकी पार्टी के लिए नकदी के सूटकेस भेजे गए , लेकिन उन्होंने सीपीआई को भारी मात्रा में धन दिए जाने का जिक्र नहीं किया , जबकि सरावधिक साहयता उन्हें मिल रही थी । हालांकि, कांग्रेस और वामपंथियों की ओर से खंडन और विरोध हुआ । जब द मित्रोखिन आर्काइव 1999 में प्रकाशित हुई , तो पुस्तक ने हजारों केजीबी फाइलों से कॉपी की गई आधिकारिक और विस्तृत जानकारी के कारण पश्चिमी खुफिया हलकों में सुनामी पैदा कर दी। लेखक वासिली मित्रोखिन की कहानी अधिक दिलचस्प थी। वह 1992 में ब्रिटेन चले गए, और अपने साथ शीर्ष गुप्त केजीबी दस्तावेजों का खजाना लेकर आए, जिन्हें उन्होंने वर्षों से गुप्त रखा था। उनके अपने देश और संतान से पलायन को 20वीं सदी के खुफिया तख्तापलटों में से एक माना गया और सीआईए और ब्रिटिश गुप्तचर एजेंसी एमआई 5 द्वारा उनकी अभिलेखीय सामग्री को प्रामाणिक बताया गया। खुफिया मामलों के अग्रणी किरदार क्रिस्टोफर एंड्रयू और सह-लेखक सीक्रल की एक किताब भारत सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में केजीबी की पैठ पर केंद्रित थी । पुस्तक की थीसिस यह थी कि सोवियत संघ ने निर्णय लिया कि तीसरी दुनिया ही वह क्षेत्र है जिसमें वह छद्म शीत युद्ध जीत सकता है।भारत के साथ विशेष संबंध शीर्षक वाले दो अध्याय भारत में केजीबी संचालन के पैमाने और पैठ की सीमा का विवरण देते हैं। पुस्तक में दावा किया गया कि शीत युद्ध के दौरान तीसरी दुनिया के किसी देश में केजीबी द्वारा सबसे अधिक परिचालन प्रयास भारत में किया गया था और 1910 के दशक के दौरान भारत में केजीबी एजेंटों की संख्या सोवियत संघ के बाहर सबसे बड़ी थी। अधिक सनसनीखेज खुलासों में शामिल हैं ।

कांग्रेस आरोप को गलत बताती रही लेकिन पुस्तक में लिखा गया कि ÷ इंदिरा गांधी, जिन्हें केजीबी द्वारा VANO नाम दिया गया था, को कांग्रेस के खजाने के लिए धन के सूटकेस भेजे गए थे। एक अवसर पर, पोलित ब्यूरो की ओर से कांग्रेस (आर) को 2 मिलियन रुपये का गुप्त उपहार भारत में केजीबी प्रमुख लियोनिद शेबरशिन द्वारा व्यक्तिगत रूप से दिया गया था। उसी अवसर पर श्रीमती गांधी का समर्थन करने वाले एक अखबार को दस लाख रुपये और दिये गये। 1918 में, केजीबी भारत में 30 से अधिक एजेंटों को चला रहा था, जिनमें से 10 भारतीय खुफिया अधिकारी थे ।1911 में, केजीबी फाइलों ने 21 गैर-कम्युनिस्ट राजनेताओं (चार केंद्रीय मंत्रियों) की पहचान की, जिनके चुनाव अभियानों को केजीबी द्वारा सहायता दी गई । 1959 में, सीपीआई महासचिव अजॉय घोष सोवियत गुट के साथ व्यापार के लिए एक आयात-निर्यात व्यवसाय स्थापित करने की योजना पर सहमत हुए। एक दशक से भी कम समय में इसका वार्षिक मुनाफा बढ़कर 30 लाख रुपये से अधिक हो गया। 1915 के दौरान, भारत में श्रीमती गांधी के लिए समर्थन को मजबूत करने और

उनके राजनीतिक विरोधियों को कमजोर करने के लिए डिज़ाइन किए गए सक्रिय उपायों पर कुल 10.6 मिलियन रूबल खर्च किए गए थे। रक्षा मंत्री के रूप में वी. कृष्ण मेनन को सोवियत मिग खरीदने के लिए राजी किया गया था, न कि ब्रिटिश लाइटनिंग्स खरीदने के लिए। 1962 और 196। में उनके चुनाव अभियानों को केजीबी द्वारा वित्त पोषित किया गया था।1913 तक, केजीबी के पेरोल पर 10 भारतीय अख़बार और एक न्यूज़ एजेंसी थी। 1915 के दौरान केजीबी ने भारतीय अखबारों में अपने विचारों और संगठनों के अनुकूल वातावरण के लिए 5,510 लेख प्रकाशित करवाए । अंदाज लगाइये , उस सीमित आय वाले दौर में कुछ पत्रकार लाखों रूपये पाने लगे । भारत में यह सवाल उठाया गया कि क्या लेखकों ने जासूसी कहानी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। सीपीआई महासचिव एबी बर्धन ने कहा यह एक बदनामी की कोशिश है] लेकिन वाशिंगटन में शीत युद्ध अंतर्राष्ट्रीय इतिहास परियोजना सहित कई स्रोत और पुस्तकें मौजूद हैं, जिनमें भारत में केजीबी की पैठ का विवरण दिया गया है।दिल्ली में रह चुके पूर्व केजीबी अधिकारी शेबरशिन सहित केजीबी अधिकारियों के दो पहले के संस्मरणों में भी भारत में इसके संचालन का विवरण दिया गया है। आईबी के पूर्व निदेशक एमके धर ने अपनी पुस्तक ओपन सीक्रेट्स में लिखा है कि आईबी चार केंद्रीय मंत्रियों (इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में) और दो दर्जन से अधिक सांसदों की पहचान करने में सफल रही थी जो केजीबी पेरोल पर थे। उन्होंने लिखा है कि केजीबी की पहुंच का सबसे आश्चर्यजनक क्षेत्र रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों की वे परतें थीं जो सैन्य खरीद के लिए जिम्मेदार थीं। 50 और 60 के दशक में भारत में केजीबी परिचालन का तेजी से विस्तार हुआ। पुस्तक से पता चलता है कि मॉस्को में दूतावास में एक भारतीय राजनयिक, को क्लासिक हनी ट्रैप के माध्यम से भर्ती किया गया था, जिसमें एक महिला केजीबी एजेंट ने नेवरोवा के स्वादिष्ट कोडनेम के साथ सहयोग किया था। ऐसा नहीं है कि केजीबी भारत में सक्रिय एकमात्र एजेंसी थी। केजीबी के पूर्व मेजर जनरल ओलेग कलुगिन की एक अन्य टिप्पणी में कहा गया है, ऐसा लग रहा था जैसे पूरा देश बिक्री के लिए था-केजीबी और सीआईए ने भारत सरकार में गहराई से प्रवेश कर लिया था।÷सिर्फ सरकार नहीं , किताब में आरोप लगाया गया कि केजीबी ने भारत के सबसे प्रभावशाली पत्रकारों में से एक, को भर्ती किया था। उनके अमेरिका विरोधी लेखों को एक बड़ा तख्तापलट माना गया। हालांकि, उनके पास अमेरिका विरोधी भावनाओं को भड़काने के अन्य तरीके भी थे। 1969 में, द मित्रोखिन आर्काइव्स के अनुसार, एंड्रोपोव ने मॉस्को में पोलित ब्यूरो को सूचित किया कि वे दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के सामने 20,000 मुसलमानों का एक प्रदर्शन आयोजित कर सकते हैं और इसकी लागत 5,000 रुपये होगी। मैं विचार का अनुरोध करता हूं। लियोनिद ब्रेज़नेव ने लिखा, एंड्रोपोव के अनुरोध पर सहमति दी जाती है । सत्तर अस्सी के दशक के चुनाव में संभवतः पहली बार इस्लामी देशों से बड़े पैमाने पर धन का प्रवाह किया गया । दिलचस्प तथ्य यह था कि लीबिया एक प्रमुख फंडर था । समर्थन केवल मुस्लिम लीग जैसी मुस्लिम पार्टियों को ही दिया गया लेकिन अप्रत्यक्ष लाभार्थी में बड़े पैमाने पर मुस्लिम अनुयायियों वाले नेताओं के माध्यम से अन्य प्रमुख पार्टी भी शामिल थी । दूसरी तरफ अमेरिका भी पीछे नहीं था । अनाज देने केलिए बने पीएल 480 फंड का उपयोग भारत में सीआईए द्वारा गुप्त गतिविधियों के लिए जमकर किया गया था। जानकारों के अनुसार, अतीत में कभी-कभी सीआईए गतिविधि के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख 'मोर्चे' धर्मार्थ ट्रस्ट, अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर इंडियन स्टडीज, अमेरिकन एग्रीकल्चर रिसर्च सर्विस और यूएस एजुकेशनल फाउंडेशन ऑफ इंडिया के नाम भी विवादों में रहे । लॉस एंजिल्स टाइम्स के साथ एक इंटरव्यू में, एशिया में सक्रिय पूर्व सीआईए एजेंट थॉमस ब्रैंडन ने खुलासा किया कि सीआईए ने भारतीय बंदरगाहों में नाविक संघों का उपयोग भी किया था। भारत में रहे पूर्व अमेरिकी राजदूत डैनियल पैट्रिक मोयनिहान ने अपनी पुस्तक ए डेंजरस प्लेस में भारत में डॉलर की राजनीति में शामिल होने की बात स्वीकार की । मोयनिहान ने दो उदाहरणों का खुलासा किया जब अमेरिका ने एक राजनीतिक दल को धन मुहैया कराने की हद तक भारत में हस्तक्षेप किया था। यद्यपि कथित तौर पर केरल और पश्चिम बंगाल में संभावित कम्युनिस्ट जीत के मद्देनजर ऐसा किया गया था, मोयनिहान ने कहा कि दोनों मामलों में प्राप्तकर्ता कांग्रेस पार्टी थी । वहीँ अमेरिकी लेखक थॉमस पॉवर्स ने अपनी पुस्तक में लिखा कि सीआईए ने 1911 में श्रीमती गांधी के मंत्रिमंडल में एक नेता को एजेंट को बना लिया था। पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार पॉवर्स ने अपनी पुस्तक द मैन हू केप्ट द सीक्रेट्स में कहा है कि सीआईए श्रीमती गांधी के मंत्रिमंडल के एक सदस्य द्वारा 1911 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के एक महत्वपूर्ण चरण के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही थी। यह संभावना सामने आई कि मंत्री का सीआईए संपर्क जेन एबेल था, जो बॉम्बे में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास और बाद में नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में एक पूर्व अधिकारी था।उस समय की प्रेस रिपोर्टों के अनुसार, एबेल 196। में भारतीय आम चुनाव की निगरानी के लिए सीआईए द्वारा गठित 'टास्क फोर्स' का हिस्सा थे। अन्य थे विलियम ग्रिम्सली, ह्यूबर्ट स्पिवैक, डब्ल्यूएल कैंपबेल, हॉवर्ड शेफ़र और एडविन पेकहाउस। अमेरिकी राजनयिक कोर की एक अन्य महिला सदस्य जिसके बारे में सूत्रों का दावा है कि वह पूर्व प्रथम सचिव कैरोल लाईस शामिल थी। यूपी के देवरिया से कांग्रेस सांसद ने संसद में आरोप लगाया कि लाईस ने चार दिनों तक देवरिया में डेरा डाला और चुनाव को प्रभावित किया। लाइज को देश छोड़ने के लिए कहा गया था, लेकिन कुछ ही समय बाद वह काठमांडू में अमेरिकी राजदूत के रूप में लौट आए। सी आई ए के रिकॉर्ड के अनुसार कांग्रेस (आई) के अलावा, सीआईए ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और तमिल अलगाववादी आंदोलन को भी मदद दी और नागालैंड और असम में भी सक्रिय रहा । बाद के क्षेत्रों में, आमतौर पर मिशनरी आड़ में सीआईए की गतिविधियां उजागर होती रही हैं। इनसे जुड़े कुछ लोगों को गंभीर आरोपों के तहत भारत से निष्कासित कर दिया गया था। यही नहीं मीडिया में भी कुछ संस्थानों और पत्रकारों को भारी फंडिंग की। एक दो पकड़े गए और उन्हें बाद में अमेरिका ने शरण दे दी, बाद के वर्षों में चीन ने अपनी एजेंसियों और व्यापारिक गतिविधियों के माध्यम से जासूसी और राजनीतिक गतिविधियों को प्रभावित करना शुरु किया । पाकिस्तान की एजेंसी आई एस आई और चीन की एजेंसियों ने पिछले वर्षों के दौरान अपना जाल फैलाया । इनसे जुड़े कुछ जासूस पकडे भी गए और जेल में हैं । इसलिए जरुरत इस बात की है कि सरकार और समाज ऐसे भारत विरोधी तत्वों से सतर्क रहे और समय रहते उन पर कठोर क़ानूनी कार्रवाई हो ।

निशाना

इस्तीफे का दौर !

– कृष्णेन्द्र राय

राजनीतिक गरमाई है ।
इस्तीफे का दौर ।।
फायदा ना मिल रहा ।
बस बने सिरमौर ।।
अंदर खिचड़ी पक रही ।
हैं सारे तैयार ।।
आलाकमान लगातार ।
झेल रहा प्रहार ।।
ऐन वक्त पर खेला ।
कुछ समझ ना आए ।।
गुंजाइश ना राहत की ।
क्या किससे फरमाएं ।।
अभी अगर यदि हाल ये ।
है बाकी परिणाम ।।
धीरे-धीरे है पतन ।
है यही पैग़ाम ।।

आज का इतिहास

- 1639 - दिल्ली में लाल किले की नींव 29 अप्रैल 1639 को रखी गई थी।
- 1848 - प्रसिद्ध भारतीय चित्रकार और कलाकार राजा रवि वर्मा का जन्म 29 अप्रैल 1848 को हुआ।
- 1852 - 29 अप्रैल 1852 को पीटर रोजेट के थिसॉरस का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।
- 1891 तमिल कवि और तर्कवादी लेखक भारतीदासन का जन्म 29 अप्रैल 1891 को हुआ
- 1954 - वेदारण्यम निर्वाचन क्षेत्र से 15वीं तमिलनाडु विधान सभा के सदस्य ओ.एस. मणियन का जन्म 29 अप्रैल 1954 को हुआ।
- 1954 - 29 अप्रैल 1954 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और चीन के झोउ एनलाई ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों पर हस्ताक्षर किए।
- 1958 - भारतीय इतिहासकार और अर्थशास्त्री रामचंद्र गुहा का जन्म 29 अप्रैल 1958 को हुआ।
- 1958 - उड़ीसा के प्रसिद्ध क्रांतिकारी गोपबंधु चौधरी का निधन 29 अप्रैल 1958 को हुआ।
- 1959 - भारतीय जनता पार्टी के भारतीय राजनीतिज्ञ रत्ना सिंह का जन्म 29 अप्रैल 1959 को हुआ।
- 1965 - रामानंद सागर के हिट टेलीविजन धारावाहिक रामायण में देवी सीता की भूमिका निभाने वाली भारतीय अभिनेत्री दीपिका चिखलिया का जन्म 29 अप्रैल 1965 को हुआ।

जंगल की आग का भयावह राग, जल संरक्षण से निकलेगी बचाव की राह

■ अनिल प्रकाश जोशी

उत्तराखंड में जंगल की आग एक बार फिर बड़ा रूप ले चुकी है, जबकि इस बार तो पहले से ही पता था कि जंगल की आग विकराल रूप लेगी। अभी अप्रैल खत्म भी नहीं हुआ और अब तक करीब 256 हेक्टेयर जंगल में आग लग चुकी है। जंगल में आग लगने की 245 घटनाएं हो चुकी हैं। जाहिर है, आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी। वनों में आग लगने का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन पहले छिटपुट घटनाएं होती थीं, जिन पर तुरंत नियंत्रण पा लिया जाता था, क्योंकि तब न इतनी प्रचंड गर्मी पड़ती थी और न ही ऐसी ज्वलनशील पादप प्रजातियां थीं। तब वन और जन का रिश्ता अटूट था। पूरे गांव के लोग इस दवानल पर भारी पड़ते थे।वनाग्नि सिर्फ उत्तराखंड के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए चिंता का विषय है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे आग को भड़काने में पूरी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि दुनिया का औसत तापमान अगर बढ़ चुका है, तो आग तो पूरी दुनिया के जंगलों में लगेगी ही। कनाडा, कैलिफोर्निया, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया इसके ताजा उदाहरण हैं। इन देशों में शीतोष्ण जलवायु है, फिर भी ग्लोबल वार्मिंग के कारण दावानल की घटनाएं होती रहती हैं। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के एक शोध से पता चला है कि आग 2001 से ज्यादा ही कहर ढा रही है। वर्ष 2001 में 30 लाख हेक्टेयर वनों को आग से नुकसान हुआ, तो 2021 में 90 लाख हेक्टेयर वन राख हुए। कनाडा में 2022 में 60 लाख हेक्टेयर वन राख हो गए। रूसी वनों के हालात भी ऐसे ही थे, जहां 2020 की तुलना में 2021 में 31 फीसदी ज्यादा वन जले।

सच तो यह है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ेंगी, क्योंकि 150 वर्षों के अध्ययन से पता चला कि प्रचंड गर्मी की स्थिति आज पांच गुना बढ़ गई है। दुनिया भर

में वनाग्नि के बड़े असर होंगे। अंतर बस इतना है कि बेहतर प्रबंधन के कारण विकसित देश ऐसी आपदा से जल्दी निपट लेते हैं, जबकि विकासशील या पिछड़े देशों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते वनों की आग एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी है। पृथ्वी पर अब मात्र 31 फीसदी वन बचे हैं। दुनिया में प्रति व्यक्ति 0.61 हेक्टेयर वन क्षेत्र बचे हैं, जबकि अपने देश में यह 0.08 हेक्टेयर है। यह स्वस्थ उपलब्धता नहीं कही जा सकती। अपने देश की चिंता ज्यादा बड़ी है, क्योंकि हमारे यहां उष्णकटिबंधीय परिस्थितियां हैं। शीतकाल में पर्याप्त वर्षा न होने से मिट्टी में पर्याप्त नमी नहीं होती। इसी वजह से झाड़ ज्यादा होने तथा पत्ते नहीं हटाए जाने से उनमें तुरंत आग पकड़ लेती है, जो जल्दी रुकने का नाम नहीं लेती। जब शुरू में आग लगती है, तो उसमें एयर गैप आ जाता है, जिसे भरने के लिए हवाएं चलती हैं, जिसके चलते आग तेजी से फैलती है। अन्य कारणों में, शीतकालीन वर्षा का अभाव, पतझड़ लंबा होना तथा गर्मी का लगातार बढ़ना तो है ही। पिछले कुछ वर्षों से हम लगातार वनों की आग को झेल रहे हैं, लेकिन कोई प्रभावी कदम नहीं उठा पाए हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है पर्याप्त संसाधनों की कमी। खास तौर से वन विभाग में एक-एक फॉरेस्ट गार्ड के नियंत्रण में करीब डेढ़ सौ से 200 हेक्टेयर वन आते हैं, जो वनों की देखभाल करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ने का एक और कारण है कि 1988 से पहले वन गांव वालों की भागीदारी से पनपते थे, लेकिन आज वह कड़ी टूट चुकी है। आज की वन नीति में गांव की भागीदारी चाहे जितनी भी हो, वह प्रभावी नहीं दिखती। इसके अलावा वनों और गांव के बीच दूरी बढ़ गई है। पहले गांव के गांव वनों की आग बुझाने के लिए जुट जाते थे। लेकिन अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। वन विभाग के पास न तो पर्याप्त मैनपावर है और न ही सटीक रणनीति। जंगलों में आग लगने से सिर्फ वनों का नुकसान नहीं होता, बल्कि वन्य जीव भी मारे जाते हैं। खास तौर से छोटे पशु-पक्षी, जिनके जीवन का आधार ही वन है। यही नहीं, पारिस्थितिकी दृष्टिकोण से इस आग से मिट्टी फटने लग जाती है और फिर बारिश में सारी उपजाऊ मिट्टी बहकर चली जाती है। वनाग्नि से पानी के स्रोत भी सूख जाते हैं। गंभीर बात यह भी है कि अभी तक हमने इस बात पर नीतिगत विचार नहीं किया है कि हम किस तरह से सामूहिक भागीदारी से वनों को बचा सकते हैं। यह पूरे समाज के लिए एक बड़ा संदेश होना चाहिए कि जलते वन को दूर से देखने का अब समय नहीं है, क्योंकि वनों का योगदान पानी, हवा या अन्य संसाधनों को उपलब्ध कराने में भी है। इसलिए इसे मात्र विभागों का दायित्व न समझ कर और गांव वालों के ही भरोसे इसका बोझ डालकर छुट्टी नहीं पा लेनी चाहिए, बल्कि सबको मिलकर वनों की रक्षा करनी चाहिए। अगर इन घटते वनों को आग ने लील लिया, तो तापक्रम तो बढ़ेगा ही, कार्बन डाइऑक्साइड भी प्राण संकट में डाल देगी। इसके अलावा, पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर भी विपरीत असर पड़ेगा। इसलिए अब हमारे पास एक ही विकल्प बचा है कि हम वनों को बचाएं। इसके लिए वन पंचायत को मजबूत कर उनकी भागीदारी बढ़ानी होगी। कम से कम वन पंचायतों को उनके चारों तरफ 100 हेक्टेयर भूमि के वनों की जिम्मेदारी सौंपी जाए और उनसे अपेक्षा की जाए कि वे वनों को अग्नि से बचाएं और बदले में उन्हें वन का अपने लिए उपयोग करने की सुविधा दी जाए। वन पंचायतों की भागीदारी के बिना वन विभाग के पास कोई जादुई छड़ी नहीं है कि वह आग पर नियंत्रण पा ले। वनों को आग से बचाने के लिए वन क्षेत्र में जल संरक्षण के कार्य भी होने चाहिए, ताकि एक तरह की नमी बनी रहे और किन्हीं वजहों से अगर आग लग भी जाए, तो वह ज्यादा फैले नहीं। इसके अलावा पतझड़ में जो पत्ते गिरते हैं, उन्हें हटाने व उपयोग करने के उपाय करने होंगे। इससे जहां रोजगार उत्पन्न होगा, वहीं वनाग्नि पर भी अंकुश लगेगा। मुख्य बात यही है कि वन पंचायत और वन विभाग की सार्थक भागीदारी के लिए पहल होनी चाहिए। अगर हमने ऐसा नहीं किया, तो आग सिर्फ वनों को ही नहीं, बल्कि हमारे संसाधनों और प्राणों को भी लील लेगी।

– साभार

वैश्य गुप्ता महिला मंडल ने पक्षियों की प्यास बुझाने बाँटे सकोरे

गर्मियों में पानी अमृत के समान होता है: गुप्ता

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए अयोध्या वासी वैश्य गुप्ता महिला मंडल नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गुप्ता द्वारा महिला मंडल को सकोरे का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि गर्मियों में पानी अमृत के समान होता है।इंसान को प्यास लगती है तो वह बोलकर पानी मांग लेता है लेकिन मूक पशु पक्षी बोल नहीं पाते और प्यास के कारण उनकी मृत्यु हो जाती है। पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए सकोरे बांटे गए। जिसमें रोज पानी भरकर बेजुबान की प्यास बुझाई जा सके। सेवा करने वाले हाथ मंत्र बोलने वाले होठों से ज्यादा पवित्र होते हैं। सकोरे वितरण कार्यक्रम में श्रीमती सुषमा गुप्ता, पूनम गुप्ता, मंजू, सुरेखा गुप्ता, कमला, सोनाली, मोनिका गुप्ता, अंजू, राखी, शरद गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, मीना गुप्ता, शिवांगी गुप्ता, कल्पना गुप्ता, काजल गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, मोनिका, रूपा गुप्ता, अवनी उपस्थित रही । श्रीमती गुप्ता ने आमजन से अपील की है कि सभी लोग अपने- अपने घरों की छत पर इन बेजुबानों के लिए पानी और दाने की व्यवस्था अवश्य करें।

इटारसी के पुराने हनुमान मंदिर के गर्भ गृह का किया गया विस्तार

अब वातानुकूलित गर्भगृह में विराजमान रहेंगे पवनसुत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
पीपल मोहल्ला इटारसी स्थित प्राचीन हनुमान धाम मंदिर के गर्भगृह का विस्तार हो गया है। कई दशक पुराने मढ़िया नुमा गर्भगृह का समिति ने विस्तार कराने के बाद विशेष साज-सज्जा की है। इससे श्रद्धालुओं को दूर से ही पवनसुत हनुमान के विग्रह के दर्शन हो रहे हैं। मंदिर में पंचमुखी हनुमान के अलावा दो दुर्लभ हनुमान के विग्रह विराजे हैं। मंदिर समिति ने हनुमान जन्मोत्सव एवं रामनवमीं के सफल आयोजन के बाद समिति सदस्यों का मिलन समारोह आयोजित किया था। समिति से जुड़े लखन बैस, पवन बोहरा ने बताया कि नांदेड़ के कलाकारों की नक्काशी से मंदिर के शिखर का भव्य स्वर्ण रंग से सौंदर्यीकरण किया गया है।

हनुमान धाम जहां हॉर्न बजाकर सलामी देते हैं ट्रेन के ड्राइवर

शिखर पर विराजी हनुमान जी की प्रतिमा को बाहर लाकर आसपास रंग-बिरंगी लाइट लगाई गई है। अंदर गर्भगृह का विस्तार किया गया है।यहां सागौन की नक्काशी से तैयार सुंदर पट लगाया गया है। मंदिर में अब हनुमान जी 24 घंटे वातानुकूलित गर्भगृह में रहेंगे। इसके लिए अंदर एसी भी लगाया गया है। ओव्हर ब्रिज की सीढ़ियों से नीचे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को वर्षा और धूप से बचाव के लिए एक कवर्ड शेड भी तैयार कराया गया है। भविष्य में मंदिर समिति यहां स्थापित भगवान शिव मंदिर को भव्य रूप प्रदान कर यहां देश के द्वादश ज्योर्तिलिंग की स्थापना भी करेगी। इस पर समिति विचार कर रही है। उल्लेखनीय है कि इटारसी शहर में घनी बसाहट से पहले यहां हनुमान जी की प्राचीन मढ़िया पीपल के एक वृक्ष के नीचे विराजी है। यहां से गुजरने वाली सारी ट्रेनों के ड्राइवर दादा धाम में हार्न बजाकर सलामी देते हैं। पुराने लोग बताते हैं कि अंग्रेजी हुकूमत के दौर में यहां जब रेल लाइन बिछाई जा रही थी, तब अधिकारियों को काम में काफी समस्याएं आ रही थीं। तब अधिकारियों ने बुर्जुगों की सलाह पर रामभक्त हनुमान जी का पूजन अर्चन किया, इसके बाद उनका काम सफल हो गया। शहर की कई पीढ़ियां गुजर गई हैं, कालांतर में मंदिर समिति ने धीरे धीरे जनसहयोग से इस मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान किया है। समिति के सभागृह में साल भर संकीर्तन, भजन, रामकथा, श्रीमद् भागवत गीता समेत अन्य धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धालुओं द्वारा कराए जाते हैं। मंदिर के पीछे एक सुंदर बगीचा एवं पार्किंग स्थल भी विकसित किया गया है।

जिले में प्रथम आने वाली छात्रा ने कहा-मैं कलेक्टर बनना चाहती हूं

मुस्लिम समाज ने किया होनहार छात्रा का सम्मान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मुस्लिम खत्री पंचायत इटारसी ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा में प्रोत्साहन देने के लिए आर के भवन हाजी मंजिल परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में कक्षा 12 वीं में पढ़ने वाली गरीब परिवार की छात्रा कुमारी उमेरा का सम्मान किया गया।

मुस्लिम खत्री पंचायत के द्वारा उमेरा को कई उपहार दिए गए और होनहार छात्रा को फूल मालाओं से लाद दिया। मुस्लिम खत्री पंचायत के अध्यक्ष हाजी मुस्ताक अहमद ने कहा कि हमारी मुस्लिम खत्री पंचायत ने निर्णय लिया है जो भी बच्चियों आगे पढ़ना चाहेंगी और आर्थिक रूप से कमजोर रहेंगी उनको समाज मदद करेगा। कार्यक्रम का संचालन कर रहे हाजी हबीब ने कहा कि उमेरा का सम्मान करते हुए हम सभी गौरवान्वित है। सामाजिक सरोकार रखने वाले प्रमोद पगारे ने कुमारी उमेरा का सम्मान कर अपने संबोधन में कहा कि समाज में बच्चियों को पांचवी तक पढ़ने के बाद उनकी शिक्षा बंद कर देना यह कुप्रथा है। इसे समाप्त किया जाना चाहिए। बच्चियों को भी बच्चों के बराबर हक मिलना चाहिए और उन्हें आगे पढ़ाया जाना चाहिए । जो गरीब परिवार की बच्चियाँ हैं समाज उनको आर्थिक मदद करें, यह प्रयास होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज प्रसन्नता का विषय है मुस्लिम खत्री पंचायत मेधावी छात्रा का सम्मान कर रहा है। उमेरा के साथ पड़ोस में रहने वाली कुमारी वर्षा शर्मा भी इस अवसर पर उमेरा के साथ कार्यक्रम में आई और उन्होंने कहा कि उमेरा निश्चित तौर पर अपना नया इतिहास लिखेगी और उसकी पढ़ाई निरंतर जारी रहेगी। कुमारी उमेरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वह पढ़ लिखकर कलेक्टर बनेगी। उसने समाज से अनुरोध किया कि समाज में बच्चियों को पांचवी के बाद भी पढ़ाया जाना चाहिए। इस अवसर पर हाजी यूनुस , हाजी आसिफ , हाजी फारूक, हाजी युसूफ सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम खत्री पंचायत के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे। सभी ने उमेरा का सम्मान किया। पंचायत की ओर से एक ट्राफी एवम शाल दी गई एवम उपहार दिए गए। इसके अलावा गुरु नानक पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा चौथी की छात्रा कुमारी जकिया का कक्षा में प्रथम आने पर सम्मान किया गया।अंत में आभार प्रदर्शन हाजी आसिफ ने किया।

हर्ष और उल्लास के साथ किया चर्च का शताब्दी समारोह...

नर्मदापुरम। चर्च का शताब्दी समारोह कैथोलिक चर्च इटारसी में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर बिशप स्वामी सेबेस्टियन दुरईराज ने दिव्य ज्योति मंदिर का उद्घाटन किया। इस पावन घड़ी में 8 बच्चों को परम प्रसाद संस्कार प्रदान किए। शताब्दी समारोह के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे , पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रवि जायसवाल, समाज सेवी प्रमोद पगारे, प्रमुख उद्योगपति पंकज अग्रवाल सहित इटारसी के विभिन्न चर्च के प्रमुख उपस्थित थे।

रायसेन में मीडिया प्रतिनिधियों ने पोस्टल बैलेट से किया मतदान

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान दिवस के कवरेज में शामिल प्राधिकृत पत्रकारों को भी पोस्टल बैलेट से वोट डालने की सुविधा प्रदान की गई है। विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत रायसेन जिले की तीन विधानसभाओं सांची, सिलवानी तथा भोजपुर में रविवार को पोस्टल बैलेट से मतदान प्रारंभ हुआ। सांची विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायसेन में चार प्राधिकृत पत्रकारों द्वारा स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय पहुंचकर पोस्टल बैलेट से मतदान किया। इसी प्रकार भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में भी एक मीडिया प्रतिनिधि द्वारा पोस्टल बैलेट से मतदान किया गया। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने पत्रकारों के कार्य को अत्यावश्यक सेवा श्रेणी में स्थान देकर यह सुविधा प्रदान की है। यह सुविधा केवल उन पत्रकारों के लिए है, जिन्हें निर्वाचन कार्य के कवरेज हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकार पत्र जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक स्वास्थ्य, गृह (अग्निशमन सेवाएं), ऊर्जा विभाग के अमले सहित निर्वाचन कार्य में मतदान दिवस के कवरेज में संलग्न भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्राधिकार पत्रधारी पत्रकारों को अत्यावश्यक सेवा श्रेणी में अधिसूचित किया है। इसका आशय यह है कि सेवा में रत रहने की वजह से कोई भी मतदान करने से वंचित न रहे।

मेट्रो एंकर | **मतदाताओं तक मतदान करने का संदेश देने के लिए डोर-टू-डोर सम्पर्क**

कलेक्टर ने मतदान हेतु आमंत्रण पत्रिका व पीले चावलों से मतदाताओं को न्यौता दिया

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव 2024 के तहत जिले के सभी मतदाता संबंधित मतदान केन्द्रो पर पहुंचकर मतदान तिथि सात मई को मतदान करें इसके लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा विशेष पहल की जा रही है। जिसके तहत जिले के सभी मतदाताओं तक मतदान करने का संदेश देने के लिए डोर-टू-डोर सम्पर्क किया जा रहा है वहीं सार्वजनिक स्थलों पर विशेष आयोजन कर संदेशो का सम्प्रेषण किया जा रहा है।कलेक्टर ने रविवार की प्रातःकालीन विदिशा शहर का मुख्य माधव उद्यान में मार्निंग वॉक करने वालो के बीच पहुंचकर उन सबको मतदान करने का न्यौता गुलाब की फूल, आमंत्रण पत्रिका, पीले चावल देकर मतदान करने का न्यौता दिया है। माधव उद्यान में भ्रमण कर रहें जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मसूद अहमद खॉन ने मतदाता जागरूकता के इस कार्य में शामिल होकर प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से अपना सहयोग प्रदाय किया है।

योगाभ्यास साथियों से संवादीय अपील

कलेक्टर ने रविवार की प्रातः काल माधव उद्यान में पहुंचकर मॉर्निंग वॉक करने वालों के साथ-सा गार्डन में योगा अभ्यास करने वाले साथियों के बीच पहुंचकर उन्हें अपना परिचय दिए बिना मतदान करने हेतु पीले चावल और आमंत्रण पत्रिका भेंट करने लगे और उन सबसे आहवान किया की 7 मई को आप मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान जरूर करें इसी बीच योगाभ्यास साथियों को जब पता चला कि कलेक्टर स्वयं उन्हें अपने हाथों से मतदान करने का न्योता दे रहे हैं वह अपने आप अभिभूत हुए और सभी ने एक मत से कहा कि आप निश्चिंत रहें मैं और मेरा परिवार सभी मतदान करेंगे इस बीच कुछ साथियों ने अपने साथ फोटो खिंचवाने का अनुरोध किया जिसे कलेक्टर ने सहज स्वीकार करते हुए फोटो ही नहीं खिंचवाई बल्कि उनके साथ सेल्फी भी ली है। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मसूद अहमद खान कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर के साथ साथ स्वीप पार्टनर्स ने आज रविवार को माधव उद्यान में पहुंचकर मतदाता जागरूकता के संदेशों का संप्रेषण कर सभी नागरिकों से आह्वान किया है।

नव मतदाता को मतदान तिथि का इंतजार

कलेक्टर ने जब माधव उद्यान में मार्निंग वाक कर रहे नागरिकों को मतदान का न्यौता दे रहे थे इसी दौरान 18 वर्षीय नव मतदाता दीपा अहिरवार से संवाद किया तो उन्हें मतदान करने की आमंत्रण पत्रिका भेंटकर मतदान करने की बात कहीं ही थी तभी तपाक से दीपा ने कहा कि ये मेरे लिए पहला अवसर है इसे मैं जाने नहीं दूंगी, सात मई का मै इंतजार कर रही हूं। ताकि अमिट बांई तर्जनी में अमिट स्याही लगने के बाद अपने सेल्फी लेकर अपने सोशल मीडिया के एकाउंट पर अपलोड कर सबको संदेश दे सकूं कि मैं भी मतदाता हो गई हूँ।

शपथ का किया वाचन

जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सहायता प्राधिकरण के सचिव मसूद अहमद खान मतदाता जागरूकता पर आधारित शपथ का माधव उद्यान में वाचन किया। जिसे कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों व स्वीप पार्टनर्स एवं मॉर्निंग वॉक करने वालो नागरिकों ने शामिल होकर शपथ को दोहराने में सहभागिता निभाई है।

नवागत डीआईजी ने किया थाने का निरीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गंजबासौदा आज नगर में भोपाल रेंज के डीआईजी ओम प्रकाश त्रिपाठी अपनी पद स्थापना के बाद पहली बार नगर गंज बासौदा पहुंचे जहां उन्होंने शहर थाना का निरीक्षण किया उसके बाद कार्यालय में ही तमाम पुलिस अधिकारियों से उन्होंने चर्चा करते हुए चुनाव में की जा रही तैयारी की जानकारी ली इसके बाद में कोतवाली थाना परिसर पहुंचे जहां उन्होंने थाने का निरीक्षण किया मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा चुनाव को लेकर पूरे जिले में जिस प्रकार से पुलिस व्यवस्था की है वह संतुष्टि पूर्ण है माइनर एक्ट और कुछ वारंट के मामले में उन्होंने तेजी लाने के संबंध में निर्देशित भी किया डीआईजी दौरे के दौरान एडिशनल एसपी डॉक्टर प्रशांत चौबे एसडीओपी मनोज मिश्रा शहर थाना टी आई संजीव चौकसे देहात थाना टीआई हरिकिशन लोहिया मौजूद थे।

रघुवंशी समाज ने की अच्छी पहल शादी समारोह में कराया रक्तदान, विधायक सप्रे ने की तारीफ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रक्त की कमी के कारण कई बार मरीजों की मौत हो जाती है और रक्त की हमेशा मांग रहती है। दूसरी ओर रघुवंशी समाज ने एक अच्छी पहल करते हुए शादी में आए मेहमानो से रक्तदान करवा कर जनहित के लिए अच्छा कार्य किया है। शहर के निजी गार्डन में हुए विवाह समारोह के दौरान रघुवंशी समाज द्वारा एक अनोखी पहल करते हुए श्री राम जन्म उत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी के परिवार द्वारा दूल्हा दुल्हन परिवार जनों ने रक्तदान कर एक सामाजिक पहल की शुरुआत की। वहीं कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे, जनपद सदस्य प्रतिनिधि प्रशांत पालीवाल, राष्ट्रीय समन्वयक किसान कांग्रेस सुरेंद्र रघुवंशी, ने इस कदम की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की पहल हर समाज को करनी चाहिए रक्त की बहुत आवश्यकता है। इस दौरान दूल्हा एवं दुल्हन के परिवार जनों ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया। वहीं विधायक हरि सिंह सप्रे

रघुवंशी समाज के इस कदम तारीफ करते हुए कहा कि शादी विवाह में बहुत सारी व्यवस्थाएं के बीच सामाजिक क्षेत्र में बहुत अच्छी कार्य किया है । रक्तदान करके एक नई शुरुआत की है इसका फायदा आने वाले समय में सभी को मिलेगा कई और लोग भी इस तरह का प्रयास करेंगे ।

अस्पताल में एम्बुलेंस नहीं मिलने से कई बार मरीजों की हो चुकी है मौत

विधायक द्वारा दी गई एम्बुलेंस मेंटेनेंस के अभाव में हुई खस्ताहाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आम जनता को सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शासन के द्वारा करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा रही है। दूसरी ओर अस्पतालों में मौजूद एम्बुलेंसों को चलने और उनके मेंटेनेंस के लिए राशि उपलब्ध नहीं होने से वह कंडम हो रही है, क्षेत्रीय विधायक के द्वारा दी गई एंबुलेंस भी कबाड़ा हो गई है । इसकी वजह से मरीजों को एंबुलेंस के लिए भारी भरमक राशि भी खर्च करनी पड़ती है।, कई बार एंबुलेंस के अभाव में मरीजों की मौत भी हो जाती है। इसकी जानकारी होने के बाद भी नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए धरातल पर कार्य नहीं किया जा रहा है। अस्पताल की एंबुलेंस को चलाने और मेंटेनेंस के लिए रोगी कल्याण समिति से व्यवस्था की जा सकती पर वहां से नहीं की जा रही है। वही शासन स्तर से भी राशि नहीं मिल रही है जिसकी सजा मरीजों को झेलनी पड़ रही है। इनके परिजन हमेशा एंबुलेंस के लिए परेशान होते हैं । वैसे ही सरकारी अस्पताल में ज्यादातर गरीब वर्ग के मरीज ही उपचार करवाने के लिए पहुंचते हैं इन मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद विकासखंड के अस्पताल से विदिशा या भोपाल रेफर करने का काम किया जाता है।

क्योंकि सिरोंज में देखने के लिए तो बड़ी बिल्डिंग है अस्पताल में डॉक्टरों और संसाधनों के अभाव में केवल यहां पर मरीजों का प्राथमिक इलाज ही हो पता है इस वजह से मरीजों के परिजनों को बाहर ले जाने के लिए एंबुलेंस की सुविधा अस्पताल में नहीं होने के कारण कई बार मरीजों की हालत भी ज्यादा बिगड़ जाती है। क्योंकि समय पर 108 नहीं पाती है इसी बीच गंभीर मरीजों को बाहर ले जाने के लिए अस्पताल के बाहर खड़ी प्राइवेट एम्बुलेंसों को करना पड़ता है इनमें से अधिकांश एंबुलेंस चालकों के द्वारा मरीज के परिजनों से मौके का फायदा उठाकर मनमाने तरीके से राशि की मांग की जाती है। जितनी राशि इनके द्वारा मांगी जाती है उतनी राशि देने के लिए कई बार गरीब वर्ग के लोगों पास नहीं होते इसी तरह की स्थिति शनिवार -रविवार की रात्रि में एक ग्रामीण क्षेत्र से महिला अपने बेटे की हालत खराब होने पर शासकीय राजीव गांधी अस्पताल लेकर पहुंची थी जहां पर डॉक्टर ने उसको प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया था। 108 को भी फोन लगाया काफी देर तक 108 नहीं आए तो निजी एंबुलेंस संचालक से बात करें तो उसके द्वारा विदिशा पहुंचने के लिए 2500 की मांग की गई थी इतनी राशि इनके पास नहीं थी काफी देर तक एंबुलेंस के लिए अकेली महिला परेशान होती रहे फिर बड़ी मुश्किल से एंबुलेंस मिली तब जाकर है अपने बेटे को उपचार के लिए बाहर लेकर गई। वहीं अस्पताल प्रबंधन से भी महिला ने आग्रह किया पर उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई सभी ने हाथ खड़े कर दिए कहा कि इंतजार करो 108 आएगी ऐसी तस्वीर आए दिन अस्पताल से सामने आती है जब मरीज को रेफर के बाद एंबुलेंस की आवश्यकता होती है तो अस्पताल में जो एम्बुलेंस मौजूद हैं वहां काम की नहीं है। उसका कई महीनो से उपयोग नहीं होने के कारण उसकी हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई की चलने लायक नहीं बची है । इसके पीछे जो कारण बताया जा रहा है।कि एम्बुलेंस तो है पर मेंटेनेंस के लिए राशि नहीं मिलने के कारण इसकी हालत खराब हो गई र है। इस बजह से मरीजों को ले जाने 108 को फोन लगाते हैं तो कहीं बार पास में नहीं होने के कारण उनको आने में समय भी लग जाता तब तक कई बार मरीजों की हालत ज्यादा खराब हो जाती है तो रास्ते में मृत्यु भी हो जाती है यह सब एंबुलेंस के अभाव में होता है। यदि समय पर एंबुलेंस अस्पताल से गंभीर मरीजों को मिल जाए तो इनको बड़े अस्पताल तक समय पर पहुंचकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

इनका कहना है

बहुत अच्छा विषय उठाया है अस्पताल प्रबंधन को मेंटेनेंस की व्यवस्था करनी चाहिए नहीं हो रही है तो जन सहयोग से एंबुलेंस को चलाया जा सकता है हम शासन स्तर पर भी इस संबंध में अपनी बात रखेंगे ।

सुमंत मित्तल,भाजपा मंडल महामंत्री एवं व्यापारी सिरोंज

अस्पताल में लापरवाहियों की कोई सीमा नहीं है मरीजों को डॉक्टर के लिए परेशान होना पड़ता है। एंबुलेंस स राखी राखी कंडम हो गई है इनको चलाने के लिए मेंटेनेंस की व्यवस्था चाहिए पर किसी को कोई चिंता नहीं है इस कारण से यहां के हालात बहुत ज्यादा खराब है, हम जन सहयोग के लिए तैयार हैं।

सुरेंद्र रघुवंशी, किसान नेता एवं समाजसेवी।

विधायक के द्वारा उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस भी मेंटेनेंस के अभाव में कंडम हो गई है क्योंकि हमारे पास मेंटेनेंस की राशि नहीं आती है साल भर में 4 से 5 लख रुपए एंबुलेंस को चलाने के लिए चाहिए। मरीज के पास 108 का ऑप्शन है।

विकास सिंह, बीएमओ

विधायक की दी एम्बुलेंस भी हुई कबाड़ा

मरीजों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा भी एक एंबुलेंस शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय को उपलब्ध कराई गई थी पर वह भी अब पूरी तरह से खस्ता हाल हो गई है। वह चलने लायक नहीं बची है। उसको चलाने के लिए डीजल से लेकर ड्राइवर और गाड़ी के मेंटेनेंस के लिए 4 से 5 लख रुपए की आवश्यकता अस्पताल को होती है इतनी राशि कहीं से नहीं मिलती है इस वजह से विधायक के द्वारा प्रदान की गई एंबुलेंस भी चलाई नहीं जा सकती है। यहां रखे रखें एंबुलेंस भी पूरी तरह से खराब हो चुकी है । जब एम्बुलेंस उपलब्ध कराई थी तब लोगों को उम्मीद थी कि इसका उपयोग मरीजों के हित में होगा पर उनकी उम्मीदें भी धूमिल हो गई है।

पिपलिया हाट समर्थन मूल्य केंद्र का जायजा लेने पहुंचे तहसीदार

ऑडियो की जांच के लिए बनाई टीम

किसानों की सरकार में ठगे जा रहे किसान, प्रशासन अनजान

दोपहर मेट्रो

खबर का असर

सिरोंज। हमारे सवांददाता द्वारा किसान से उपज पास करने के बदले में हजार रुपए लेने का ऑडियो वायरल खबर को प्रमुखता से शुक्रवार के अंक में प्रकाशित किया था उसकी जांच करने पहुंचे तहसीलदार ।

विकासखंड में 17 समितियां में समर्थन मूल्य पर खरीदी हो रही है जहां पर अधिकांश समर्थन मूल्य केदो पर उपज पास पास फेल का भी खेल चल रहा है। इसी तरह का एक मामला पिपलियाहट समर्थन मूल्य केंद्र का आया था जहां पर एक किसान से उसकी उपज पास करने के बदले में सर्वेयर के द्वारा 1000 लेने का ऑडियो वायरल होने के बाद मौके पर जांच करने के लिए तहसीलदार संजय चौरसिया पहुंचे क्योंकि सर्वयर के द्वारा पैसे मांगने का जो ऑडियो सामने आया उसकी खबर हमारे सवांददाता द्वारा किसानों के हित में प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी उसके संज्ञान में लेकर तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर जांच की एवं फसल की मशीन से जांच करवाई उसमें नमी पाई गई। तहसीलदार संजय चौरसिया ने कहा कि किसी भी सर्वेयर ने तथा अन्य किसी भी काम को करने के बदले में किसानों से पैसे मांगे गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी उन्होंने किसानों से बात करते हुए कहा कि किसी भी तरह की सुविधा मे परेशानी हो तो वह सीधा हमसे संपर्क करें साथ ही उन्होंने बताया कि ऑडियो वायरल मामले की जांच करने के लिए खाद आपूर्ति विभाग ,एफसीआई के साथ चार विभागों की टीम बनाकर मामले की जांच करवा रहे हैं ऑडियो सही पाया गया तो सर्वयर पर भी कार्रवाई की जाएगी एक सर्वेयर को हम हटा चुके हैं।

सुगन्याई में कुएं के अंदर मिला नवजात का शव

सिरोंज। दीपनाखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम सुगन्याई में ग्राम के किसान बलराम यादव के कुएं में नवजात का सब मिलने से सनसनी फैल गई । सूचना मिलने पर दीपनाखेड़ा पुलिस पहुंची और कुआ के अंदर से नवजात के सब को बाहर निकलवाया पीएम के लिए पुलिस विदिशा लेकर गई जहां पर पीएम के बाद सब को मिट्टी में दबाने का काम किया गया साथ ही थाना प्रभारी अनुज प्रताप सिंह ने बताया कि चार-पांच महीने का प्रतीत हो रहा है, मार्ग का मामला दर्ज करके जांच में लिया है अभी पीएम रिपोर्ट आई नहीं है।

सड़कों पर झुंड में बैठे रहते हैं आवारा मवेशी, हो रहे हादसे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने मवेशियों के लिए गौशालाओं के निर्माण के लिए करोड़ों रुपए की राशि उपलब्ध कराई गई है। अधिकांश गौशालाओं का उपयोग मवेशियों के लिए नहीं किया जा रहा है यहां पर व्यवस्थाएं नहीं होने के कारण कई बार कई गौशालाओं में इनकी मौत हो जाती है। क्योंकि इनके संचालकों के द्वारा भूसा चार और पानी के इंतजाम भी नहीं किए जाते हैं। दूसरी ओर कुछ स्वार्थी लोगों के द्वारा दूध निकालने के बाद मवेशियों को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। इस वजह से इन दोनों मवेशियों के झुंड के झुंड सड़कों पर बैठे रहते हैं। दूर से वाहन चालकों को यह दिखाई नहीं देते हैं जिसके कारण कई बार छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं । इसके बाद भी इन मवेशियों को गौशालाओं में पहुंचने के लिए प्रशासन के द्वारा भी ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा हैं। समय रहते ध्यान नहीं दिया तो किसी दिन और भी बड़ी घटना हो सकती है। पिछले दिनों ही एक दुर्घटना मवेशी के कारण हुई थी उसमें चालक की मौत भी हो चुकी है।

यातायात पुलिस ने रसूखदारों की निकाली हेकड़ी, 10 हजार का किया चालान, निकाले हूटर, साइलेंसर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए यातायात पुलिस के द्वारा रसूखदारों पर भी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई समझने के बाद भी कई वाहन चालकों के द्वारा हूटर नहीं निकल जा रहे थे प्रतिबंध साउंड साइलेंसर लगा रखे हैं उनको निकलवाने का काम भी किया पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाकर चालान भी काटे। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला आदेश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे , एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में यातायात सूबेदार रितेश वाघेला ने छतरी नाका पर विशेष चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 15 वाहनों से 10400 रुपए शमन शुल्क भी वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान मुख्य रूप से फटाखे की आवाज वाली बुलेट , तीन सवारी, बिना नंबर, हेलमेट, अनाधिकृत हूटर , सर्च लाइट, तेज गति से वाहन चलाने वालो पर कार्यवाही की गई , एक सफारी वाहन पर हूटर पाए जाने पर वाहन क्रमांक MP09CM8362 पर राशि 3000/- जुर्माना किया गया। दूसरी ओर बुलेट गाड़ी में प्रतिबंधित साइलेंसर लगाकर गाड़ी को चलाने पर चालक से तुरंत साइलेंसर निकलवाया फिर चलानी कार्रवाई करते हुए कहा कि आगे से पाया गया तो और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी वही इस कार्रवाई के बाद वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

आईपीएल में विराट कोहली के 500 रन पूरे

चेन्नई ने लगाई 3 स्थान की छलांग आज टॉप-2 में आ सकती है दिल्ली

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 46 मैच खत्म हो चुके हैं। रविवार को 2 मैच खेले गए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले मैच में गुजरात टाइटंस को हराया। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया। इन नतीजों के बाद चेन्नई ने 3 स्थान की छलांग लगाई और टीम तीसरे नंबर पर पहुंच गई। हैदराबाद चौथे, गुजरात 7वें और बेंगलुरु 10वें नंबर पर हैं।

आज केकेआर के पास 12 पॉइंट्स कमाने का मौका

17वें सीजन में आज दिल्ली कैपिटल्स का सामना कोलाकाता नाइट राइडर्स से होगा। कोलकाता 8 मैचों में 5 जीत और 3 हार से 10 पॉइंट्स लेकर दूसरे नंबर पर है। दिल्ली को हराकर टीम 12 पॉइंट्स के साथ दूसरी पोजिशन पर अपनी स्थिति मजबूत कर लेगी। हारने पर टीम तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगी। सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 98 रन की पारी में 10 चौके लगाए। इसी के साथ उनके टूर्नामेंट में 48 चौके हो गए और वह बाउंड्री मास्टर्स में पहले नंबर पर पहुंच गए। विराट कोहली 47 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

चेन्नई ने बनाई टॉप-3 में जगह

चेन्नई सुपर किंग्स ने चेपॉक में पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 212 रन बनाए। हैदराबाद की टीम 18.5 ओवर में 134 रन ही बना सकी। चेन्नई के अब 9 मैचों में 5 जीत और 4 हार से 10 पॉइंट्स हो गए। टीम छठे से तीसरे नंबर पर पहुंची और प्लेऑफ की दावेदारी मजबूत कर ली। हैदराबाद के भी 9 मैचों में 5 जीत और 4 हार से 10 ही पॉइंट्स हैं लेकिन खराब रन रेट के कारण टीम चौथे नंबर पर पहुंच गई।

दिल्ली के पास 5 स्थान की छलांग लगाने का मौका

दिल्ली कैपिटल्स के 10 मैचों में 5 जीत और 5 हार से 10 पॉइंट्स हैं। 10 पॉइंट्स रखने वाली 5 टीमों में टीम का रन रेट सबसे खराब है, इसलिए टीम छठे नंबर पर है। लेकिन कोलकाता को हराकर टीम 12 पॉइंट्स के साथ 5 स्थान उछलकर दूसरे नंबर पर पहुंच सकती है। हारने पर टीम छठे नंबर पर ही रहेगी।

विराट 500 रन बनाने वाले पहले बैटर बने

17वें सीजन में पिछले कई दिनों से ऑरेंज कैप आरसीबी के विराट कोहली के पास ही हैं। उन्होंने रविवार को 70 रन की पारी खेली और अपने 500 रन पूरे कर लिए। ऋतुराज गायकवाड 447 रन के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। गुजरात के साई सुदर्शन 415 रन के साथ टॉप स्कोरर में तीसरे नंबर पर हैं।

सिक्स हिटर में दुबे पहुंचे क्लासन के करीब

शिवम दुबे ने हैदराबाद के खिलाफ 4 छक्के लगाए, वह 26 सिक्स लगाकर टॉप सिक्स हिटर में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। अब उनसे ऊपर स्क्र॥ के अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासन हैं, क्लासन के 28 व अभिषेक के 27 सिक्स हैं।

बेंगलुरु ने बढ़ाई गुजरात की मुश्किलें

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात ने पहले बैटिंग करते हुए 200 रन बनाए। बेंगलुरु ने 16 ओवर में एक ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। आरसीबी को 10 मैचों में तीसरी जीत मिली, टीम ने शुरुआती 8 में से 7 मैच गंवाए थे। जिस कारण अब 6 पॉइंट्स लेकर भी टीम 10वें नंबर पर ही है, क्योंकि टीम का रन रेट 6-6 पॉइंट्स वाली मुंबई और पंजाब से भी खराब है। गुजरात को 10 मैचों में छठी हार मिली, टीम 4 जीत से 8 पॉइंट्स लेकर 7वें नंबर पर ही है। उन्हें अब क्वालिफाई करने के लिए आखिरी चारों मैच जीतने ही होंगे।

सीएसके के 2 गेंदबाज आए पर्पल कैप रेस में

रविवार को चेन्नई के मुस्तफिजुर रहमान और मथीश पथिराना ने 2-2 विकेट लिए। इससे दोनों ही टॉप-5 विकेट टेकर में शामिल हो गए। मुस्तफिजुर के तो 14 विकेट हो गए और वह जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरे नंबर पर हैं। पथिराना 13 विकेट के साथ चौथे नंबर पर पहुंचे।

टी-20 वर्ल्ड कप: न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

विलियमसन को सौंपी गई कप्तानी, रचिन रवींद्र भी टीम में शामिल

बेलग्रेड, एजेंसी

वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। न्यूजीलैंड बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान सोमवार की सुबह किया। बोर्ड ने इसी दिन टूर्नामेंट के लिए टीम किट भी लॉन्च की।

स्टार प्लेयर केन विलियमसन को कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। टीम में वनडे वर्ल्ड कप 2023 में शानदार बैटिंग करने वाले रचिन रवींद्र को भी जगह दी गई है। रचिन और मैट हेनरी पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में खेलेंगे। बेन सियर्स को 16वें ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। इस बार टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट के लिए न्यूजीलैंड ने सबसे पहले अपनी टीम का ऐलान किया है।

टीम में केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिम्मी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, ईश सोढ़ी और टिम साउदी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच खेला जाएगा। मुकाबला एक जून को डालास में ही होगा। क्रिकेट इतिहास का पहला मुकाबला भी अमेरिका और कनाडा के बीच ही 1844 में खेला गया था। टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड की टीम जहां 7 जून से अपने सफर का आगाज अफगानिस्तान के खिलाफ करेगी तो इसके बाद उन्हें 12 जून को मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला खेलना है। 14 जून को कीवी टीम यूगांडा जबकि 17 जून को पापुआ न्यू गिनी से मैच खेलने मैदान पर उतरेगी।

अब तक वर्ल्ड कप नहीं जीत सका है न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड टीम अब तक एक भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सकीय है. 2022 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। तब भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से ही हार का सामना करना पड़ा था। टीम इंडिया ने 2007 में पहली बार हुए टूर्नामेंट का ही खिताब अपने नाम कर लिया था। तब से टीम एक बार भी ट्रॉफी नहीं जीत सकी। भारत के अलावा पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने भी 1-1 बार खिताब जीता है। जबकि वेस्टइंडीज (2012 × 2016) और इंग्लैंड (2010 × 2022) ने 2-2 बार टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा किया है। टूर्नामेंट अब तक 8 बार खेला गया है, अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट 9वीं बार खेला जाएगा।

उबेर कप : चालिहा ने कनाडा की मिशेल ली को हराया

भारतीय महिला टीम का सामना आज सिंगापुर और मंगलवार को चीन से

नईदिल्ली, एजेंसी

एशियाई चैंपियन भारत ने शनिवार को चीन के चेंग्दू में ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा पर 4-1 की शानदार जीत के साथ अपने उबेर कप अभियान की शुरुआत की। अब युवा भारतीय महिला टीम का सामना इस टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में सोमवार को सिंगापुर और मंगलवार को चीन से होगा। भारतीय टीम ग्रुप-ए में शामिल है। शीर्ष एकल और युगल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में, अश्मिता चालिहा के नेतृत्व में युवा दल पर भारत को विजयी शुरुआत दी। चालिहा ने कनाडा की मिशेल ली को हराया। पिछले साल सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली प्रिया कोंजेगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा महिला डबल्स जोड़ी ने कैथरीन चोई और जेसलिन चाउ को 21-12, 21-10 से हराकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया था।

इशारानी बरुआ ने वेन यू झांग को 21-13, 21-12 से हराकर भारत को 3-0 की अजय बढ़त दिलाने में मदद की। दूसरे महिला डबल्स में सिमरन सिंधी और रितिका ठाकुर को जैकी डेंट और क्रिस्टल से 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय चैंपियन अनमोल खरब ने पांचवें और अंतिम मैच में एलियाना झांग को 21-15, 21-11 से हराकर आसान जीत हासिल की।

पुरुष कंपाउंड और मिश्रित टीम को स्वर्ण

शंघाई, एजेंसी

अभिषेक वर्मा और ज्योति सुरेखा वेन्नम की डायनामिक भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने शनिवार को यहां शंघाई विश्व कप में एस्टोनिया के रॉबिन और लिसेल जाटमा को 158-157 से हराकर भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले दिन में, प्रथमेश फुगे, प्रियांश और अभिषेक वर्मा की भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने नीदरलैंड को 238-231 से हराकर दूसरा स्वर्ण पदक जीता। पुरुष कंपाउंड टीम 2011 ट्यूरिन विश्व कप में टीम यूएसए द्वारा बनाए गए विश्व रिकॉर्ड से केवल 1 अंक से चूक गई।

क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य के खिलाड़ी को हराया

पीएसए चैलेंजर इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे चैंपियन वेलवन सेंथिलकुमार

नईदिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय चैंपियन वेलवन सेंथिलकुमार ने पेरिस में चल रहे 12,000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर टूर इवेंट बैच ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है. सेंथिलकुमार ने खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जैकब सोलनिकी को सीधे गेम में शिकस्त दी.

विश्व रैंकिंग में 58वें स्थान पर काबिज शीर्ष वरीय सेंथिलकुमार ने क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य के खिलाड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 3-0 (11-5, 11-6, 11-2) से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला हांगकांग के एंडीज लिंग से होगा. हालांकि, अमेरिका के स्प्रिंगफील्ड में चल रहे 20,000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर टूर इवेंट, एक्सप्रेशन सेंट जेम्स ओपन में चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे को क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की पांचवीं वरीयता प्राप्त अलीना बुशमा ने 29 मिनट तक चले मैच में 7-11, 7-11, 8-11 से हराया।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

जब आमिर खान को समझ आई सिर झुकाकर नमस्कार करने की ताकत

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान अपने अभिनय के अलावा अपने आचरण से भी सभी के दिलो पर राज करते आए हैं। हाल ही में आमिर खान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' में शिरकत करने गए। इस दौरान आमिर ने कई मुद्दों के बारे में बताया। लेकिन जब बात पंजाब की आई तो आमिर ने तुरंत अपना एक किस्सा सुनाया। दरअसल, आमिर की फिल्म 'दंगल' की ज्यादातर शूटिंग पंजाब में हुई है। आमिर ने बताया कि जब वह पंजाब में शूटिंग करने जाते थे तो लोग उन्हें अपने दरवाजों पर खड़े रहकर उन्हें हाथ जोड़कर नमस्ते किया करते थे। आमिर खान ने कपिल शर्मा के शो पर बताया कि जब अपनी फिल्म 'दंगल' की शूटिंग कर रहे थे, तो उन्हें वहां पर बहुत अच्छा लगा। आमिर ने कहा, पंजाब के लोग बहुत अच्छे और प्यारे हैं उन्होंने ना ही मुझे कभी परेशान किया और ना ही कभी किसी भी तरह की कोई दिक्कत खड़ी हुई। आमिर ने बताया जब भी वह सुबह फिल्म की शूटिंग के लिए जाते थे तो लोग उनको हाथ जोड़कर नमस्कार करते थे और जब वह रात में शूटिंग से वापस आते थे तब भी पंजाब के लोग उन्हें हाथ जोड़कर गूट नाइट किया करते थे।

प्रियंका बोलीं- बेटी के जन्म के बाद जीवन में हुए बदलाव

प्रियंका चोपड़ा सफल अभिनेत्रियों में शुमार हैं। वह इंटरनेशनल आइकन हैं। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक देसी गर्ल ने अपने अभिनय का जलवा दिखाया है। अभिनेत्री हर मुद्दे पर काफी बेबाकी से बयान देती हैं। कई बार फैंस प्रियंका के इस रवैये की सराहना करते हैं। अब हाल ही में, प्रियंका ने बताया कि बेटी मालती मैरी के जन्म के बाद उनके जीवन के साथ-साथ अभिनेत्री के सोने के समय में भी काफी बदलाव आया है। हाल ही में, प्रियंका ने इस बात का खुलासा किया है कि बेटी के जन्म के बाद उनकी नींद का समय बदल गया है। हालांकि, वह अपने सोने के समय को लेकर हमेशा से ही काफी सतर्क रही हैं। प्रियंका ने यह भी कहा कि मालती बिल्कुल उसके जैसी है और उनकी कई आदतें बिल्कुल प्रियंका से ही मिलती हैं। हालांकि, मालती कुछ चीजों में निक पर भी गई हैं। उन्होंने कहा, जब मैं देखती हूं कि मैं ध्यान आकर्षित करने में कितनी सहज थी, तो कुछ बच्चे इससे कतराते थे, लेकिन मुझे कैमरे के सामने होने में कोई समस्या नहीं थी।

बिपाशा ने करण को एडवांस में विश की शादी की 8वीं एनिवर्सरी, लिखा रोमांटिक नोट

बॉलिवुड अभिनेत्रा बिपाशा बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के क्यूट कपल्स की लिस्ट में आते हैं। फैंस इनकी एक झलक पाने के लिए बेकरार रहते हैं। दोनों ही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। बिपाशा ने अपने सोशल मीडिया पर पति करण सिंह ग्रोवर को दो दिन पहले एडवांस में अपनी शादी की 8वीं सालगिरह की बधाई दी है। बिपाशा और करण ने 30 अप्रैल 2016 में शादी की थी। बिपाशा बसु ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर पति करण के साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें साझा की हैं। इन सभी फोटोज को फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं और उन्हें अलग-अलग तरह से शादी की सालगिरह की बधाई दे रहे हैं। बिपाशा ने पति करण के लिए फोटो शेयर की साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरा सब कुछ। उस दिन से 8 साल हो गए जब हम आधिकारिक तौर पर पति-पत्नी बने। समय बहुत तेजी से बीत गया। हर दिन मुझे और अधिक प्यार करने के लिए धन्यवाद। बिपाशा बसु ने जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं उनमें दोनों की बॉन्डिंग की फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। इन तस्वीरों में बिपाशा और करण के बीच प्यार भरे पलों को साफ देखा जा सकता है। इन तस्वीरों में बिपाशा गहरे लाल रंग के सूट में बहुत खूबसूरत लग रही हैं, तो वहीं सफेद शेरवानी में करण काफी हैंडसम दिख रहे हैं। बिपाशा ने जब से यह एनिवर्सी पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है तभी से फैंस के मैसेज की बाढ़ आ गई है। फैंस लगातार उन्हें 8वीं शादी की सालगिरह की बधाई दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, हैप्पी एनिवर्सी आपो दोनों करो ढ़ेर सारा प्यार और खुशियां।

मेट्रो बाजार

बैंकों की बढ़ी चिंता, अब अकाउंट में कम पैसे जमा कर रहे लोग

मुंबई, एजेंसी

लोग अब बैंकों में कम रुपये जमा कर रहे हैं। इससे बैंकों के पास डिपॉजिट तेजी से नहीं बढ़ रहा है। इस स्थिति को लेकर एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चिंता जताई है। अगर ऐसा ही हाल रहा तो आने वाले समय में बैंकों को लोन देने की दर को कम करना पड़ सकता है। देश के बैंकों में डिपॉजिट में कमी आ रही है। लोग अब बैंकों में कम पैसा जमा कर रहे हैं। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने इस स्थिति को चिंताजनक बताया है। अगर ऐसा ही हाल रहा तो आने वाले समय में बैंकों को लोन देने की दर को कम करना पड़ सकता है। देश में अभी बैंकों की लोन ग्रोथ लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह देश में लोन लेने की शर्तों का अभी ज्यादा कड़ा नहीं होना है। बैंकों में लोग जो पैसा जमा करते हैं उसी को बैंक कर्ज के रूप में देकर ब्याज से मुनाफा कमाते हैं। लेकिन अगर बैंकों के पास डिपॉजिट में कमी आएगी तो उन्हें लोन देने में भी दिक्कत होने लगेगी। चालू वित्त वर्ष में भारतीय बैंकों की ऋण वृद्धि, लाभप्रदता और संपत्ति की गुणवत्ता मजबूत रहेगी, जो मजबूत आर्थिक वृद्धि को दर्शाती है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा है कि वे अपनी ऋण वृद्धि को धीमा करने के लिए मजबूर हो सकते हैं क्योंकि जमा राशि समान गति से नहीं बढ़ रही है। एशिया-प्रशांत में बीते वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के बैंकिंग अपडेट में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की निदेशक एसएसईए निकिता आनंद ने कहा कि एजेंसी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में यदि जमा वृद्धि, विशेष रूप से खुदरा जमा, धीमी रहती है, तो क्षेत्र की मजबूत ऋण वृद्धि 16 प्रतिशत से घटकर 14 प्रतिशत हो जाएगी। आनंद ने कहा कि प्रत्येक बैंक में ऋण-से-जमा अनुपात में गिरावट आई है।

बांग्लादेश, यूएई समेत छह देशों को प्याज देंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने छह देशों, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, भूटान, बहरीन, मॉरीशस और श्रीलंका को 99,150 मीट्रिक टन प्याज के निर्यात की अनुमति दे दी है। यह निर्णय पिछले वर्ष की तुलना में 2023-24 में खरीफ और रबी फसलों के कम अनुमानों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग को देखते हुए लिया गया है। निर्यात की सुविधा के लिए, नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) को इन देशों को प्याज निर्यात करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार एनसीईएल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से घरेलू उत्पादकों से प्याज इकट्ठा करेगा। प्याज की आपूर्ति नामित एजेंसियों या गंतव्य देशों की एजेंसियों को बातचीत के आधार पर तय की दरों पर 100 प्रतिशत अग्रिम भुगतान के साथ की जाएगी। महाराष्ट्र, देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक होने के नाते, निर्यात के लिए प्याज का प्रमुख आपूर्तिकर्ता होगा। सरकार ने 2000 मीट्रिक टन सफेद प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। इसका उत्पादन विशेष रूप से मध्य पूर्व और कुछ यूरोपीय देशों में निर्यात करने के लिए किया जाता है। सफेद प्याज की उत्पादन लागत बीज की ऊंची कीमत और अच्छी कृषि पद्धतियों को अपनाने के कारण सामान्य प्याज की तुलना में अधिक होती है।

लोकसभा चुनाव को लेकर अलर्ट है पुलिस महकमा

पुलिस एक्शन मोड पर, अवैध कारोबार पर लगातार कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। लोकसभा चुनाव के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भोपाल पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस द्वारा अभियान चलाकर गुंडे-बदमाशों और अवैध शराब की तस्करी करने वालों को खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही सटोरी और जुआरियों पर भी कार्रवाई जारी है। बीते चौबीस घंटों के दौरान अवैध रूप से हथियार लेकर घूमने वाले कई आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

ऐशबाग पुलिस ने प्रभात चौराहे के पास अवैध रूप से छुरी लेकर घूम रहे मोहम्मद अयान और विशाल सोनी को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार नवीन नगर से आदिल खान को छुरी के साथ पकड़ा गया। हनुमानगंज पुलिस ने विष्णु तोमर और मंगलवारा पुलिस ने नदीम को छुरी के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी नदीम शातिर बदमाश है। उसके खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई की गई थी, लेकिन वह इलाके में ही छुरी लेकर घूमते मिला। उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की गई है। निशातपुरा पुलिस ने करोंद स्थित सब्जी मंडी के पास सुरेश किरार और नजीराबाद पुलिस ने ग्राम रुनाहा के पास अवैध रूप से छुरी लेकर घूम रहे राहुल वर्मा निवासी राजगढ़ को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

अवैध शराब की तस्करी करने वाले कई गिरफ्तार

अशोका गार्डन पुलिस ने सब्जी मंडी के पास बबलू उर्फ तोतला, एसओएस रोड पिपलानी में विवेक पाराशर, टोल नाका मिसरोद में विपिन सिंह, बागसेवनिया स्थित एम्स अस्पताल के पास शनि राजपूत, तलैया में राहुल अहिरवार, शाहजहांनाबाद में कृष्णा सोनी, टीला जमालपुरा में सावेज, भारत टाकीज के पास मंगलवारा में रिजवान, निशातपुरा पुलिस ने देवेंद्र लूथरा और भगवान खटीक तथा बैरागढ़ पुलिस ने गिदवानी पार्क के पास जितेंद्र चेलानी को गिरफ्तार कर हजारों रुपये की अवैध शराब जब्त की है। देहात की बिलखिरिया पुलिस ने खदान के पास प्रकाश मीना, बालमपुर घाटी सूखी सेवनिया में पप्पू जाटव और कल्याणपुर रोड पर रवि राठौर, ग्राम रसूलिया पठार जोड़ परवलिया में राजमल मीना, भोजापुरा जोड़ बैरसिया में गणेश ओझा, करणपुरा जोड़ से जगदीश, मुस्कान ढाबा के पास ईंटखेड़ी में मलखान यादव और नजीराबाद पुलिस ने ग्राम बेहरावल जोड़ के पास शिवराज कलावत को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं।

सटोरिए और जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

मिसरोद पुलिस ने सट्टा लिख रहे तीन सटोरियों को गिरफ्तार किया है। आसिमा माल के पास विजय सोनी और अभिषेक जैन तथा बंगरसिया के पास सट्टा लिख रहे अरबाज को पकड़ा गया है। तीनों के पास से नकद रुपये और सट्टा पर्ची जब्त की गई है। इधर गौतम नगर पुलिस ने जुआ खेल रहे आरिफ, रईस और रफीक को गिरफ्तार कर नकद रुपये और ताश पत्ते जब्त किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

शादी से एक दिन पहले ही जहर खाया, निजी अस्पताल में मौत

मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में बताया कि मार्केट से लेना था बारह से पंद्रह लाख रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शिवलोक फेस टू में मेडिकल लैब का संचालक करने वाले युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान रविवार रात करीब 11 बजे के आसपास उसकी मौत हो गई। मृत्युपूर्व बयान में युवक ने बताया कि उसे लोगों से करीब बारह से पंद्रह लाख रुपए की उधारी लेनी थी, लेकिन उधारी नहीं मिल रही थी। साथ ही उसने बताया कि उसकी शादी तय हुई थी और रविवार को मंदिर से शादी होनी थी, लेकिन वह शादी से भी खुश नहीं था। पुलिस के अनुसार मनोज मकोरिया पिता जय सिंह मकौरिया (34) शिवलोक फेस टू पिपलानी में रहता था। मनोज मंडीदीप में केयर एंड केयर अस्पताल में मेडिकल लैब का संचालन करताड़था। उसके पिता जय सिंह मकौरिया कलेक्टोरेट में फोर्थ ग्रेड में नौकरी करते हैं। मनोज के जीजा संजय मकौरिया ने बताया कि मनोज ने शनिवार सुबह घर में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान रविवार रात उसकी मौत हो गई।

मृतक मनोज की छह साल की है बेटी

मनोज की शादी हो चुकी थी। उसकी छह साल की बेटी भी है। करीब तीन साल पूर्व उसका तलाक हो गया था। छोटी उम्र में तलाक होने के कारण परिजन ने रिश्तेदारों से चर्चा की और मनोज की दूसरी शादी के लिए एक युवती भी देखीड़थी। मनोज की रविवार को शादी होनी थी। परिजन चाहते थे कि मनोज की मंदिर से शादी कर दी जाए। इससे पहले ही मनोज शनिवार सुबह जहरीला पदार्थ खा लिया।

बयान में लेनदेन की बात आई सामने

पुलिस को मनोज के पास से कोई सुसाइड नोटड़नहीं मिला है, लेकिन मजिस्ट्रेड के समक्ष उसके बयान हुए थे। बयान में उसने बताया कि उसकी करीब बारह से पंद्रह लाख रुपए की उधारी थी। लोगों को वह उधारी वसूली करने बार-बार कह रहा था, लेकिन उधारी की वसूली नहीं हो रही थी। इसके अलावा उसने पुलिस को बताया कि रविवार को उसकी शादी होनी थी, लेकिन वह शादी नहीं करना चाहता था।

हबीबगंज नाके पर गर्डर लांचिंग, एक महीने तक रूट डायवर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मेट्रो रेल परियोजना के तहत हबीबगंज नाके पर गर्डर लाचिंग (आरओबी) का कार्य किया जाना है। निर्माण कंपनी द्वारा आमजन की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए एक महीने तक हबीबगंज नाके से आरआरएल तिराहे तक यातायात बंद किए जाने की जानकारी ट्रैफिक को दी है। सुरक्षित यातायात की दृष्टि से यातायात पुलिस ने 29 अप्रैल से 28 मई 2024 तक उक्त मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्सन की घोषणा की है। इस दौरान आईएसबीटी से होशंगाबाद रोड की तरफ जाने वाले वाहन सांची बूथ केन्द्र , कस्तूरबा हॉस्पिटल, डीआरएम ऑफिस, शक्तिनगर चौराहा, बीएसएनएल तिराहा, आरआरएल तिराहा से होकर होशंगाबाद रोड की तरफ जाएंगे। इसी प्रकार होशंगाबाद रोड से आईएसबीटी की ओर आने वाले वाहन आरआरएल तिराहा, बीएसएनएल तिराहा, शक्तिनगर चौराहा, डीआरएम ऑफिस, कस्तूरबा हॉस्पिटल, सांची बूथ केन्द्र होकर आईएसबीटी पहुंचेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि परिवर्तित मार्ग का उपयोग कर यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग करें और किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात थाने के हेल्पलाइन नंबर -0755-2677340 अथवा 2443850 पर संपर्क कर सकते हैं।

इनायतपुर स्टाप डैम में डूबने से वेटर की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना थाना क्षेत्र स्थित इनायतपुर स्टाप डैम में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। निशातपुरा में रहने वाला युवक वेटर का काम करता था और अपने साथियों के साथ शनिवार दोपहर यहां नहाने पहुंचा था। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। पुलिस ने रविवार दोपहर उसकी लाश डैम से बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार 32 साल का अहमद खां हरी मजार के पास निशातपुरा में रहता था और वेटर का काम करता था। मदर टैरेसा स्कूल के पास मैरिज गार्डन में शनिवार को वह वेटर का काम करने आया था। उसके साथ अन्य वेटर भी आए थे। सभी लोग शनिवार दोपहर नहाने के लिए इनायतपुर स्टाप डैम पहुंचे थे। नहाते समय पानी में बदबू आने के कारण अहमद थोड़ी दूरी पर जाकर नहाने लगा और पानी में डूब गया। साथी वेटरों ने पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों से अहमद की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिल सका। रविवार सुबह पुलिस की टीम एक बार और पहुंची थी और डैम में उसकी तलाश की गई। इस दौरान लाश मिल गई।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित नरेंद्र नगर बरखेड़ा में रविवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही रिश्तेदारों ने उसे फंदे से उतारकर डायल 100 को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक का शव बरामद कर पीएम के लिए एम्स पहुंचा दिया है। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। सोमवार को पीएम के दौरान परिजन के बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस के अनुसार राजेश विश्वकर्मा पिता द्वारिका प्रसाद विश्वकर्मा (35) नरेंद्र नगर बरखेड़ा पठानी में रहता था और सांची दुग्ध संघ में प्राइवेट काम करता था। उसके परिवार में पत्नी और बच्चे हैं। बच्चे बाड़ी बरेली रायसेन गए हुए हैं। राजेश के मायके पक्ष के लोग बरखेड़ा में रहते हैं। शनिवार रात पत्नी राजेश से यह कहकर निकली थी कि वह मायके जा रही है और वहीं सोएगी। रविवार दोपहर करीब 1 बजे के आसपास राजेश के रिश्तेदार भूरेलाल विश्वकर्मा उसके घर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने राजेश की लाश फांसी के फंदे पर लटकी देखकर अन्य रिश्तेदारों को बताया। सभी लोगों ने मिलकर राजेश को फांसी के फंदे से उतारा और पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राजेश का शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है।

युवक ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

कोलार इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक भगवानदास लोधी (45) ग्राम अमरावत कला कोलार रोड पर रहता था। रविवार की शाम को उसने घर के पास पेड़ पर रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। बच्चों और पड़ोसियों की नजर पड़ने पर उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। परिजन के बयान और जांच के बाद ही फांसी लगाने के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बुलेट बाइक समेत आधा दर्जन दो पहिया वाहन चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। कमला नगर में दिनदहाड़े घर के सामने खड़ी बुलेट बाइक चोरी हो गई। कई अन्य स्थानों से भी बदमाश दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक श्रेयांश सिंह राजपूत (25) हजेला अस्पताल के पास गीतांजलि काम्पलेक्स में रहते हैं और पड़ाई करते हैं। बीती 24 अप्रैल की सुबह करीब आठ बजे उन्होंने अपनी बुलेट बाइक घर के सामने खड़ी की थी। करीब चार घंटे बाद दोपहर बारह बजे नजर पड़ी तो बुलेट गायब हो चुकी थी। आसपास तलाश करने के बाद भी बाइक का कुछ पता नहीं चला। उसके बाद श्रेयांश किसी काम से शहर से बाहर चले गए थे। शनिवार को वापस लौटने के बाद उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर सौरभ कालोनी बजरिया निवासी पंकज सोनी एक न्यूजपेपर एजेंसी में काम करते हैं। बीती 24 अप्रैल की रात करीब दस बजे उन्होंने अपनी बजाज पल्सर मोटर सायकिल घर के सामने खड़ी की और दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए बैरसिया चले गए थे। तीन दिन बाद शनिवार को वापस लौटे तो घर के सामने खड़ी बाइक चोरी हो चुकी थी। इसी प्रकार बागसेवनिया थानांतर्गत अरविंद विहार कालोनी में रहने वाले डाक्टर सुभाष परमार और कोहेफिजा थानांतर्गत हमीदिया अस्पताल की पार्किंग में खड़ी प्रेमनारायण मालवीय की मोटर सायकिल चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

रेलवे ट्रैक के पास मिली बुजुर्ग की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रैक किनारे से एक बुजुर्ग की लाश बरामद की गई है। लाश डिकंपोज होनी शुरू हो गई थी। इससे अनुमान है कि लाश करीब एक दिन पुरानी है। मृतक के हाथ-पैर व पीठ समेत पेट पर घिसटने के निशान भी हैं। इससे अनुमान है कि वह चलती ट्रेन से गिरा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे सूचना मिली थी कि रेलवे लाइन मिसरोद में रेलवे ट्रैक के पास करीब 55-60 साल के एक बुजुर्ग की लाश पड़ी है। लाश से बदबू आ रही है और शरीर काला पड़ चुका है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि मृतक की जेब से ऐसा कोई दस्तावेज अथवा सामान नहीं मिला जिससे पहचान की जा सके। ट्रेनों में सस्ता खाना उपलब्ध कराने संबंधी एक पंपलेट मिला है। सोशल मीडिया अथवा अन्य थानों से जानकारी लेकर पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर | दस नंबर मार्केट के पास बाइक सवार लुटेरों ने की वारदात

कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर से मोबाइल लूट कर भागे बदमाश, पुलिस कर रही तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित दस नंबर मार्केट के पास फूल वाले मार्केट से मुख्य सड़क पार कर रहे डॉक्टर से बाइक सवार लुटेरों ने मोबाइल झपट लिया। लूटे गए मोबाइल की कीमत 70 हजार रुपए बताई जा रही है। उन्होंने घटना की शिकायत तत्काल की थी, लेकिन पुलिस ने मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज की और उन्हें चलता कर दिया। डॉक्टर ने घटना की शिकायत ऑनलाइन की और वरिष्ठ अधिकारियों को भी शिकायत की। इसके बाद दस दिन बाद 28 अप्रैल को पुलिस ने लूट की शिकायत दर्ज कर ली। पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार 49 साल के डॉक्टर बृजेश श्रीवास्तव, कटारा हिल्स भोपाल में रहते हैं। उनका कोलार में भी एक मकान है। गत 18 अप्रैल की रात करीब पौने दस बजे वह दस नंबर मार्केट आए थे। दस नंबर स्थित फूल वाले मार्केट में कॉफी हाउस में उन्होंने कॉफी पी और अपनी शर्ट की जेब में मोबाइल रखकर सड़क पार करते लगे। इसी बीच वहां बाइक सवार लुटेरे पहुंचे और उनकी शर्ट की ऊपर वाली जेब में रखा मोबाइल निकाला और फरार हो गए। डॉक्टर बृजेश श्रीवास्तव ने तत्काल थाने पहुंचकर घटना की शिकायत की। पुलिस ने उनसे मोबाइल गुम होने का आवेदन लिखाया और आवेदन पर थाने की सील साइन कर उन्हें थमा दिया।

ऑनलाइन की शिकायत

डॉक्टर श्रीवास्तव का कहना है कि उनके मोबाइल में वरिष्ठ लोगों के कांटेक्ट नंबर है। लुटेरे उनके मोबाइल की कांटेक्ट लिस्ट से नंबरों का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। लिहाजा उन्होंने घटना की शिकायत ऑनलाइल एप के माध्यम से कर दी। यह बात पुलिस को पता चली तो पुलिस ने उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था। बयान में उन्होंने बताया कि उनका मोबाइल लूटा गया है तो पुलिस ने आनन फानन में लूट की एफआईआर दर्ज कर ली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022